

लोनी, ट्रोनिका सिटी, निवाड़ी और भोजपुर थाने आए आईजीआरएस में अट्ठल तीन दरोगाओं को चुना गया बेस्ट कॉप ऑफ दॉ मंथ, तीन को बेस्ट विवेचक, डीसीपी ने किया पुरस्कृत



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कमिश्नेट गाजियाबाद पुलिस के लिए सितंबर का महीना देहात के चार थानों को विशेष सीमा लोकर आया। आईजीआरएस में प्रथम स्थान पर रहने के चलते देहात के चार थानों लोनी, ट्रोनिका सिटी, निवाड़ी और भोजपुर को प्रथम स्थान मिला है। इसके अलावा तीन दरोगाओं को बेस्ट कॉप ऑफ दॉ मंथ, और तीन विवेचकों को बेस्ट विवेचक चुना गया। साथ ही 11 पुलिसकर्मियों को सरकारी कार्य में विशेष रूचि लेते हुए कर्तव्य के दौरान

उत्कृष्ट योगदान किया गया। उपरोक्त सभी पुलिसकर्मियों ने डीसीपी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी ने प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि कानून-व्यवस्था को पहले से और ज्यादा मजबूत करने के उद्देश्य से देहात जेन की अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की, जिसमें ग्रामीण जेन के समस्त सहायक पुलिस आयुक्त व समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक के दौरान आगामी त्रैमासिक को ध्यान में रखते हुए कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के



लिए गौकशी, नशा, जुआ नियंत्रण पर जीरो टालरेंस की नीति लागू की गई। ग्रामीण जेन के सहायक पुलिस आयुक्त लोनी सिद्धार्थ गौतम को अपने सकल के दोनों थानों में आईजीआरएस निस्तारण माह सितंबर 2025 का कुशल पर्यवेक्षण करते हुये सकल के दोनों थानों को प्रथम स्थान प्राप्त कराने पर डीसीपी देहात सुरेंद्र नाथ तिवारी ने प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान ग्रामीण जेन के समस्त थानों से थाना स्तर पर कुल 11 पुलिसकर्मियों को भी डीसीपी देहात ने प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन

के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। उपरोक्त सभी ने सरकारी कार्य में विशेष रूचि रखते हुए अपने कर्तव्य के अनुपालन में उत्कृष्ट योगदान प्रदान किया गया।

इन चार थानों को मिला आईजीआरएस में प्रथम स्थान

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि ग्रामीण जेन के समस्त थानों से थाना लोनी, ट्रोनिका सिटी, निवाड़ी, भोजपुर को आईजीआरएस निस्तारण माह सितंबर 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसके लिए थाना प्रभारी



निवाड़ी, थानाध्यक्ष लोनी, थानाध्यक्ष ट्रोनिका सिटी व थानाध्यक्ष भोजपुर एवं अधीनस्थ आईजीआरएस कर्मियों को भी डीसीपी ने प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

सत्यापन व वैरीफिकेशन में प्रशांत कुमार को मिला सम्मान

डीसीपी देहात ने बताया कि ग्रामीण जेन के थाना मुरादनगर पर नियुक्त दरोगा प्रशान्त कुमार चौकी प्रभारी गंगनहर को ग्रामीण जेन स्तर पर आरोपियों की गिरफ्तारी, धारा-34 पुलिस अधिनियम के चालान,

पासपोर्ट वैरीफिकेशन, अपराधियों का सत्यापन व सरकारी कार्य में विशेष अभिरूचि लेते हुए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा नगद पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गयी।

विवेचनाओं के निस्तारण में हेड कांस्टेबल सम्मानित

डीसीपी देहात ने बताया कि उनकी पेशी कार्यालय में नियुक्त हेड कांस्टेबल कुलदीप कुमार ने विवेचनाओं के निस्तारण में विशेष रूचि लेते हुए सराहनीय कार्य किया।



बेस्ट कॉप ऑफ दॉ मंथ चुने गए तीन दरोगा
डीसीपी देहात ने बताया कि ग्रामीण जेन में आवेदकों द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्रों की जांचकर उनकी समस्या का निवारण व निस्तारण करने वाले ग्रामीण जेन के तीन दरोगाओं को ग्रामीण जेन स्तर पर बेस्ट कॉप ऑफ दॉ मंथ चुना गया। उपरोक्त दरोगाओं में दरोगा प्रदीप कुमार चौकी प्रभारी जेल थाना मसूरी को प्रथम स्थान, दरोगा असद अली थाना मुरादनगर को द्वितीय स्थान व दरोगा राहुल कुमार थाना लोनी बॉर्डर को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

बेस्ट विवेचक चुने गए तीन जांच अधिकारी

डीसीपी देहात ने बताया कि सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी ने थाना मुरादनगर पर सीसीटीएनएस की समीक्षा के उपरान्त थाना मुरादनगर पर नियुक्त 3 विवेचकों को बेस्ट विवेचक चुना गया। उपरोक्त तीनों जांच अधिकारियों को भी प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये।

जिसके चलते प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तथा नगद पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गयी।

त्योहारों को लेकर चलाया गया सफाई अभियान पुलिस ऑफिस, डीसीपी, एसीपी ऑफिस समेत सभी शाखाओं व थानों में की गई सफाई



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। आगामी त्योहारों और स्वच्छता अभियान के तहत कमिश्नेट पुलिस ने कार्यालयों और थानों में साफ-सफाई अभियान चलाया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने अपने कार्यालय और परिसर की सफाई की। इस दौरान डीसीपी लाइन व डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने भी सफाई अभियान में हिस्सा लेकर मोहननगर स्थित अपने कार्यालय में सफाई कराई। आगामी त्योहारों के मद्देनजर रविवार को कमिश्नेट पुलिस ने बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने मोहननगर स्थित अपने कार्यालय पर कर्मचारियों के साथ सफाई अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों के साथ एक टीम के रूप में मिलकर साफ-सफाई की और कार्यालय को एक स्वच्छ एवं स्वस्थ

कार्यस्थल बनाने की दिशा में योगदान दिया। पुलिस ऑफिस में एडिशनल सीपी समेत अन्य कार्यालयों और शाखाओं में अधिकारियों और कर्मचारियों ने सफाई अभियान चलाया। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी के मुरादनगर कार्यालय और कैप कार्यालय पर पुलिसकर्मियों ने एक टीम के रूप में मिलकर साफ-सफाई की।

इसके अलावा एसीपी इंदिरापुरम, एसीपी कोतवाली, डीसीपी सिटी के कार्यालयों समेत कमिश्नेट के सभी थानों में थानेदारों ने कर्मचारियों के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान थाना कार्यालयों के साथ साथ परिसर की भी सफाई की गई। एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि पुलिस परिवार ने यह संकल्प लिया है कि स्वच्छ और स्वस्थ कार्यस्थल ही कार्यकुशलता एवं सकारात्मक वातावरण की आधारशिला है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण-2025 की प्रगति की मंडल स्तर पर समीक्षा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्धनगर/गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन गौतमबुद्धनगर के सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण अभियान-2025 की प्रगति की समीक्षा के लिए मंडल स्तरीय बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों ने पंचायत निर्वाचन नामावली के वृहद पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत अब तक की गई कार्यवाही

का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने समीक्षा करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है, अतः निर्वाचक नामावली की शुद्धता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध अद्यतनता सुनिश्चित की जानी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा डुप्लीकेट या अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार शीघ्रता से हटाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया



कि ग्राम पंचायत स्तर पर नियुक्त सभी पर्यवेक्षक अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करें और क्षेत्रीय सत्यापन कार्य की नियमित निगरानी की जाए।

दिवाली पर रंग बिरंगी लाइटों से रोशन होगा शहर अंधेरे वाले स्थान को विन्हित करते हुए प्रकाश व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें अधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर



प्रमुख मार्ग अंबेडकर रोड, ठाकुरद्वारा रोड, कलेक्ट्रेट के सामने का रोड, तथा अन्य मार्गों को लाइट लगाते हुए सजाया जाएगा। जिसमें रंग बिरंगी लाइटियां भी लगाई जाएगी, प्रमुख चौराहों में दुर्गा भाभी चौक मोहन नगर चौक, हिंडन एयरपोर्ट चौक, अटल चौक वसुंधरा, महावीर चौक इंदिरापुरम, होली चाइल्ड



नेहरू नगर चौक, हापुर चुंगी चौराहा, प्रतापविहार चौक तथा अन्य चौराहों को लाइटिंग से सजाया जाएगा। इसके अलावा निगम मुख्यालय व समस्त जोनल कार्यालय भी बेहतर तरीके से लाइटों के माध्यम से सजाए जाएंगे। प्रभारी प्रकाश आश कुमार द्वारा बताया गया कि ऐसे स्थान जहां पर अंधेरा पाया

जा रहा है या अंधेर की शिकायत प्राप्त हो रही है। वहां तत्काल कार्यवाही करते हुए लाइट लगवाते हुए प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। आंतरिक वाडों में भी विशेष रूप से प्रकाश विभाग द्वारा कार्यवाही रोस्टर के क्रम में की जा रही है। शहर वासियों से स्वच्छता और सुंदरता की अपील करते हुए गाजियाबाद नगर आयुक्त द्वारा व्यापारियों को महापर्व दिवाली के उपलक्ष्य में शहर की स्वच्छता सुंदरता में अहम भूमिका निभाने वाला सहयोगी बताया गया। बजारों की सुंदरता बहुत ही आकर्षक होती है। जिसमें व्यापारी वर्ग का विशेष सहयोग रहता है यहां तक की गाजियाबाद के व्यापारी वर्ग सुंदरता के साथ-साथ शहर की स्वच्छता में भी महापर्व दीपावली पर विशेष सहयोग करते हैं जो की सराहनीय हैं।

महापौर सुनीता दयाल के निर्देश के क्रम में प्रकाश विभाग गाजियाबाद नगर निगम प्रमुख चौराहा प्रमुख मार्गों के साथ-साथ गाजियाबाद के प्रमुख गेटों को भी सजाने की योजना बना रहा है। जिसमें डसना गेट, दिल्ली गेट, जवाहर गेट, सिंहानी गेट को सजाया जाएगा।

शिल्प उद्यान पार्क का जीडीए वीसी अतुल वत्स ने किया निरीक्षण



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित संजय नगर योजना में स्थित शिल्प उद्यान पार्क का निरीक्षण प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने रविवार को प्राधिकरण के उद्यान अनुभाग के अधिकारियों के साथ किया। उल्लेखनीय है कि संजय नगर कॉलोनी का हस्तांतरण नगर निगम को किया जा चुका है, किंतु शिल्प उद्यान पार्क अब भी गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के नियंत्रण एवं रखरखाव में है। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने पार्क में उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा वहां उपस्थित आगनूकों से संवाद किया। आगनूकों ने बताया कि पार्क की अधिकांश सुविधाएँ उत्तम स्थिति में हैं, परंतु बैठने के लिए कुछ अतिरिक्त बेंच लगाए

जाने से नागरिकों को और सुविधा होगी। इस पर उपाध्यक्ष ने उद्यान प्रभारी को निर्देशित किया कि पार्क की सभी सुविधाओं का पुनः परीक्षण (रिव्यू) किया जाए तथा लाइटों, बैठने के लिए बेंचों एवं सौन्दर्यीकरण से संबंधित सभी आवश्यक कार्य अगले एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करारकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पार्क में कार्यरत सभी कर्मचारी उचित वर्दी (ड्रेस-अप) में रहें तथा सभी सुरक्षा मानकों एवं सावधानियों का पालन करें, ताकि श्रमिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना है, ताकि गाजियाबाद की हर योजना में बेहतर जीवन-पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके।

इंदिरापुरम का स्वर्ण जयंती पार्क निगम के लिए बनेगा आय का स्रोत, आमंत्रित की गई निविदा इंदिरापुरम में तीव्र गति से हो रहे हैं विकास कार्य: विक्रमादित्य सिंह मलिक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम को इंदिरापुरम गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से हैड ओवर होने के बाद लगातार नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में इंदिरापुरम के वाडों में तथा प्रमुख मार्गों को व्यवस्थित करने का कार्य तीव्रता से चला दिखाई दे रहा है, इंदिरापुरम क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के क्रम में निर्माण विभाग द्वारा विशेष रूप से नाला निर्माण तथा सड़कों के निर्माण का कार्य कराया जा रहा है जिसमें 100 करोड़ से अधिक के कार्य वर्तमान में जारी हैं जिसके क्रम में क्षेत्रीय पार्श्वों द्वारा गाजियाबाद नगर निगम का धन्यवाद भी किया है।



उद्यान विभाग भी इंदिरापुरम में विशेष भूमिका निभा रहा है नगर आयुक्त के नेतृत्व में उद्यान विभाग द्वारा स्वर्ण जयंती पार्क जो की नीति खंड 2 तथा 3 के मध्य है, जो कि लगभग 101175 वर्ग मीटर में बना हुआ है, जिसमें एम्पी

थियेटर, नौका विहार, फाउंटेन, आकर्षक झूले, रेस्तराँ, स्विमिंग पूल, तथा 40 दुकान भी बनी हुई है जिसमें एंटी फीस भी लागू है जिसमें इंदिरापुरम क्षेत्र के अधिकांश निवासी गन तथा बाहर के निवासी भी आते हैं



गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पार्क को व्यवस्थित करने तथा पार्क से आय अर्जित करने के लिए निविदा आमंत्रित की गई है, जो की 25 अक्टूबर को खुलेगी जिसमें 10 लाख मिनिमम धनराशि प्रतिमा के लिए रखी गई है

जिसके लिए बोली भी लगाई जाएगी टेंडर लेने वाले को गाजियाबाद नगर निगम का स्वर्ण जयंती पार्क पूर्ण रूप से व्यवस्थित करना होगा निविदा में बताया गया है। प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज द्वारा बताया गया गाजियाबाद नगर निगम



इंदिरापुरम क्षेत्र के पार्कों को बेहतर रूप से व्यवस्थित करने में जुटा हुआ है, प्रतिदिन पार्कों की साफ सफाई नियमित पानी का छिड़काव, के साथ-साथ रखरखाव का कार्य भी कर रहा है वही जो बड़े पार्क हैं उनके लिए निविदा भी



आमंत्रित की जा रही है, इसी क्रम में स्वर्ण जयंती पार्क एक भव्य पार्क है जहां से राजस्व की प्राप्ति के लिए गाजियाबाद नगर निगम द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है 25 अक्टूबर को अंतिम तिथि है जिसमें निगम अनुसार



आगे की कार्यवाही करते हुए स्वर्ण जयंती पार्क की टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी इस कार्यवाही से शहर वासियों के साथ-साथ निगम का भी हित होगा तथा एक बड़े भव्य पार्क के रखरखाव भी सरलता मिलेगी।

मंत्री आशीष पटेल ने किया स्वदेशी मेला प्रदर्शनी का उद्घाटन

कैबिनेट मंत्री ने प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉल्स का किया भ्रमण



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा हाल ही में सम्पन्न हुए उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 को तर्ज पर प्रत्येक जनपद में स्वदेशी मेला प्रदर्शनी का आयोजन किए जाने के आदेश के क्रम में शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में 10 अक्टूबर से रामलीला ग्राउंड सेक्टर 23 संजयनगर में स्वदेशी मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन कैबिनेट मंत्री एवं प्राविधिक शिक्षा विभाग, उपभोक्ता संरक्षण विभाग, और भार एवं माप विभाग आशीष पटेल द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। मुख्य



अतिथि आशीष पटेल एवं विधायक मुरादनगर अजीत पाल त्यागी जी द्वारा रिबन काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल तथा जनपद के विभिन्न जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांद्रड, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, तथा गाजियाबाद के विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों, व्यापारी संगठन के पदाधिकारी, विभिन्न उद्यमी, हस्तशिल्पी एवं जनपद के विभिन्न अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। उक्त स्वदेशी मेले में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी

कला बोर्ड, ग्रामीण आजीविका मिशन, शहरी आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, ओ.डी.ओ.पी., विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों, वित्त पोषित इकाइयों, स्वयं सहायता समूह, बैंकर्स, ओडीओपी उत्पादों, हस्तशिल्प उत्पाद, टेक्सटाइल उत्पाद एवं अन्य इकाइयों के आकर्षक उत्पादों के प्रदर्शन एवं मार्केटिंग के लिए स्टॉल लगाए गए हैं। कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों के साथ प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉल्स का भ्रमण किया गया। प्रदर्शनी के भ्रमण के दौरान



अजरो डील प्राइवेट लिमिटेड एवं प्राइमो एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, हाईटेक डोमेस्टिक प्रोडक्ट इंडिया गाजियाबाद, सीताराम कम्युनिटी प्रोडक्ट्स धूपबत्ती, नीव शक्ति संस्था द्वारा लगाए गए उत्पादों, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत ओम शिव शक्ति स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाए गए उत्पाद मसाला चाय, एनएस खादी मोदीनगर गाजियाबाद के वस्त्र उत्पाद, रंजन आर्ट द्वारा बनाई गई 3डी पेंटिंग, नई स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किए गए हैंडीक्राफ्ट आइटम, अंजलि क्रिएशन द्वारा तैयार किए गए टेक्सटाइल खादी उत्पाद, लाडो आप

द्वारा तैयार किए गए टेक्सटाइल उत्पाद, प्रखर गारमेंट द्वारा लगाए गए। मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा जिलाधिकारी गणमान्य अतिथियों एवं अधिकारियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा अपने संबोधन में मुख्य अतिथि आशीष पटेल एवं जनप्रतिनिधियों तथा प्रदर्शनी में उपस्थित जनपद के सभी उद्यमियों, व्यापारियों, हस्तशिल्पियों का स्वागत किया गया। प्रदर्शनी में आए हुए विजिटर को लगाए गए स्वदेशी मेला का अधिक से अधिक भ्रमण करने एवं उत्पादों को क्रय करने की अपील की

गई। विधायक मुरादनगर विधानसभा द्वारा अपने संबोधन में मुख्यमंत्री द्वारा निर्देशित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तर्ज पर लगाए गए स्वदेशी मेला प्रदर्शनी की सराहना करते हुए उक्त मेले प्रदर्शनी में लगाए गए, स्वदेश निर्मित उत्पादों को क्रिया किए जाने की अपील की गई। मुख्य अतिथि एवं कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल द्वारा अपने संबोधन में भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के संकल्प विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश @ 2047 के संकल्प की ओर बढ़ते हुए स्वदेशी मेला कार्यक्रम की प्रदर्शनी में अपने प्रदेश में उद्यमियों हस्तशिल्पियों स्वयं सहायता समूह द्वारा



लगाए गए उत्पादों की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। कैबिनेट मंत्री द्वारा प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में लगाए गए स्वदेशी मेला प्रदर्शनी के भव्य आयोजन हेतु जिला प्रशासन तथा उद्योग विभाग गाजियाबाद को बधाई दी गई। मैने कैबिनेट मंत्री द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी उद्यमी बंधु, मीडिया बंधु, श्रम बंधु, हस्तशिल्प बंधु, व्यापार बंधु तथा अन्य जनमानस से अपील की गई कि बेस्ट स्वदेशी उत्पाद को अधिक से अधिक बढ़ावा दिए जाने हेतु प्रदर्शनी में लगाए गए उत्पादों को क्रय करें, जिससे स्वदेश में तैयार किया जा रहे उत्पादों की मांग पर प्रभाव

पड़ेगा। कैबिनेट मंत्री के करकमलों द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, तथा एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण योजना के लाभार्थियों को टूल किट एवं चेक वितरित किए गए। अंत में महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल द्वारा कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल तथा विधायक विधानसभा मुरादनगर के साथ अन्य जनपद प्रतिनिधियों, व्यापारियों, उद्यमियों का कार्यक्रम में उपस्थित होने तथा जिला प्रशासन, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, उपायुक्त उद्योग श्रीनाथ पासवान को मेले के भव्य आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वाल्मीकि समाज के बिना देश-दुनिया नहीं चल सकती: नरेन्द्र कश्यप

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती पर एक सप्ताह तक होने वाले कार्यक्रमों का गुरुवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि वाल्मीकि समाज के बिना देश और दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती। वाल्मीकि समाज के लोगों का जितना योगदान दुनिया को मिला, उतना किसी अन्य धर्म का नहीं मिला। उन्होंने कहा 2014 में भाजपा की केन्द्र में सरकार बनने पर वाल्मीकि जयंती सरकार और संगठन दोनों मनाते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ऐतिहासिक रूप से वाल्मीकि जयंती को मनाने का संकल्प लिया। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने घोषणा है कि वाल्मीकि समाज के 100 लोगों को मैं अपने आवास पर जल्दी ही बुलाकर उनका सम्मान और भोजन की व्यवस्था करूंगा, क्योंकि मेरी माता को महापौर रहने के दौरान वाल्मीकि समाज के प्रति गहरा लगाव था। सपा प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग ने कहा कि भगवान वाल्मीकि यदि ना होते तो दुनिया में राम को कोई नहीं जानता। उन्होंने वाल्मीकि समाज के लोगों से



प्रार्थना की कि भगवान महर्षि वाल्मीकि पार्क में कास्थ की प्रतिमा लगाई जाएगी। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे मास्टर अमी चंद्रा ने महानगर कमिटी के सभी लोगों का आभार किया। उन्होंने कहा कि बारिश के बावजूद शानदार ढंग से शोभायात्राएं निकली गईं। उन्होंने महामंत्री प्रदीप चौहान वाल्मीकि का भी आभार जताया। कार्यक्रम में कुमारी रितु पचां ने अपने संबोधन से सबको प्रभावित किया। समापन समारोह में सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुषों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किये जाने वाले वालों में नगर निगम के 20 सुपरवाइजर और सफाई कर्मचारी भी शामिल हैं। नवयुग मार्केट स्थित भगवान महर्षि वाल्मीकि पार्क में हुए समापन समारोह कार्यक्रम में राज्य मंत्री नरेंद्र

कश्यप, भाजपा महानगराध्यक्ष मयंक गोयल, सपा प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरौही आदि अतिथियों के रुप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर कमिटी के अध्यक्ष अमीचंद्र खैरा व संचाल भाजपा नेता व महानगर कमिटी महामंत्री प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने किया। इस अवसर पर शोभा यात्रा की झांकी में भाग लेने वाले, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, आदि में शिरकरत करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वालों में अशोक मकवाना, सुभाष रामबाबू हजारीया, सतीश पर्वी, शक्ति जीनवाल, ओम पचां, सूरज वाल्मीकि, शनि वाल्मीकि, अजय हितेशी, सोनू धोमाना, संजीव वाल्मीकि आदि सैकड़ों वाल्मीकि समाज के लोग उपस्थित थे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भाजपा द्वार आशा विद्यालय में दिव्यांगों के लिए सांसद खेल महोत्सव बनाया गया। जिस में विशेष बच्चों ने भाग लिया। महोत्सव का शुभारंभ भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने गुब्बारों को हवा में छोड़ कर लिया। प्रारंभ में मूकबधिर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए साथ ही मूकबधिर बच्चों ने देश भक्ति संगीत पर नाच कर प्रशंसा लुटी चुकी मूकबधिर सुन नहीं सकते है फिर भी संगीत की वाइब्रेशन को महसूस करके वो बहुत सुंदर थिरेके। इस अवसर पर सुनील बंसल ने अपने संबोधन में बताया कि सांसद खेल महोत्सव एक खेल आयोजन है जो युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देता है और शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए फिटनेस को प्रोत्साहित करता है। यह पारंपरिक खेलों के साथ-साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देता है और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का मौका देता है।



सांसद अतुल गर्ग ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य युवाओं में खेल संस्कृति, टीम वर्क और नेतृत्व का विकास करना और फिट इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देना है। खिलाड़ियों ने स्कूल बैड पर मार्च पास्ट निकला। सभी स्पेशल



बच्चों ने अपने अपने खेलों में उम्र प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, सांसद खेल महोत्सव के सयोजक पप्पू पहलवान, विधान सभा सयोजक अनुज मिश्रल, सह सयोजक हरमीत बक्शी, सीडीओ अभिनव गोपाल, आशा विद्यालय की प्रधानाचार्य

मोहनी सैमसन, अध्यापक अंकुर पाठक, दिव्य दुबे, अंशुल चौहान, अभिषेक धनुख, सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल मैदी वालो का विशेष सहयोग रहा। सुनील बंसल का स्वागत करने में प्रमुख रूप से सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा,

अग्रवाल, हातम सिंह नागर, मंडल अध्यक्ष महिम गुप्ता, वरुण नागर, पाण्डे नीरज गोयल, विनिल दत्त, अभिषेक चौधरी, देव नारायण शर्मा, ओम प्रकाश ओह, पवन शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

रक्तदान से समाज में मानवता की भावना को बढ़ावा मिलता है: अतुल गर्ग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। वनवासी कल्याण आश्रम गाजियाबाद इकाई की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन कवि नगर स्थित आपका भवन के सभागार में किया गया। शिविर का शुभारंभ स्थानीय सांसद अतुल गर्ग ने दीप जलाकर किया। शिविर में शाखा द्वारा 70 यूनिट रक्त संचय किया गया। सांसद अतुल करने कहा कि इस प्रकार के आयोजन अक्सर समाज सेवा के उद्देश्य से किए जाते हैं रक्तदान शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की जान



बचाना और समाज में मानवता की भावना को बढ़ावा देना है। वनवासी कल्याण आश्रम के संगठन मंत्री

डालचंद ने कहा कि यह शिविर केवल रक्त संग्रह का माध्यम नहीं था। यह मानवता और निस्वार्थ सेवा का संदेश

भी है। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से बड़ा कोई दान नहीं, ये रक्त इंसान की तब जान बचाता है जब उसे इसकी जरूरत होती है।

विधायक नन्दकिशोर गुर्जर ने किया प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

गाजियाबाद। जिला समन्वयक ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में (एसएसडीएफ) योजनावर्गत निजी प्रशिक्षण प्रदाता जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट फॉर टेक्नो एण्ड इन्फोसोल्यूशन प्रा०ल० को अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण संचालित किये जाने के लिए सेक्टर फूड प्रोसेसिंग में मिशन मुख्यालय, लखनऊ द्वारा प्राप्त लक्ष्य के अनुसार प्रशिक्षण केन्द्र, 216/1, गिरी मार्किट, कमला देवी हॉस्पिटल, लोनी का उद्घाटन विधायक नन्द किशोर गुर्जर द्वारा फीता काटकर किया गया।

राष्ट्रीय लोकदल ने किया धन्यवाद सभा एवं सदस्यता अभियान का आयोजन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश पर गाँव सैदपुर हुसैनपुर डीलना मोदीनगर में धन्यवाद सभा एवं सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बागपत सांसद डॉ राजकुमार सांगवान की मांग पर किया गया। धन्यवाद सभा का आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आयुष महाविद्यालय निर्माण को मंजूरी प्रदान करने पर गाँव व क्षेत्रवासियों की ओर धन्यवाद देने के लिए किया गया। इससे साथ ही सदस्यता अभियान के तहत नये

● सदस्यता अभियान में मुख्य अतिथि बागपत के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान व अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी ने की

विभाग के प्रदेश अध्यक्ष चैवरमैन अमरजीत सिंह बिड़ो, मंडल अध्यक्ष इंद्रवीर भाटी क्षेत्रीय महासचिव मनवीर भाटी, डॉ पूनम गर्ग, योगेंद्र सिंह पतला, महानगराध्यक्ष रेखा चौधरी, जयदीप सिंह, विनोद चौधरी, अजित खंडपरपुर, तेजवीर डबाना, विनोद गौतम, सतेंद्र तोमर, परमेन्द्र आर्य, नरेन्द्र जाटव, चन्दवीर चौधरी, कृष्ण चौपियन, जयवीर नेहरा, अलोक चौधरी, डॉ इलम सिंह, मनीष किलोहड़ा, विराट सांगवान, सचिन प्रथम गढ़, अरुण तेवतिया, कपिल चौधरी, डागर रहे। कार्यक्रम के सांगवान ने भाग लिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रुप में क्षेत्रीय अध्यक्ष, योगेंद्र सिंह, सहकारिता

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को नेता जी मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर सपाइयों ने शांति पाठ एवं हवन किया गया। इस मौके पर सपा कार्यकर्ताओं ने हवन में आहुति देकर नेताजी की दिदीगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।



शास्त्री नगर स्थित घरौंदा अनाथ आश्रम जाकर जरूरतमंद बच्चों को

खाने पीने की सामग्री एवं पठन पाठन किताबें अभ्यास पुस्तकें वितरित की।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, फैसल हुसैन एडवोकेट, महानगराध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट, जिला महासचिव नितिन त्यागी, राजन कश्यप पूर्व जिला अध्यक्ष साजिद हुसैन, पूर्व महानगर अध्यक्ष जेपी कश्यप, पूर्व जिला अध्यक्ष राशिद मलिक, पूर्व महानगर अध्यक्ष राहुल चौधरी, राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति, जिला कोषाध्यक्ष मनीष बंसल, जिला उपाध्यक्ष परवेज चौधरी, संजीव चौधरी, सतेंद्र शर्मा, प्रवेश बसोया, जितेंद्र यादव, प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग, बाबू सिंह आर्य, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्रवण

त्यागी, पूर्व प्रत्याशी विशाल वर्मा, वरिष्ठ नेता रमेश यादव, प्रदेश महासचिव महिला सभा मधु चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला सभा राजदेवी चौधरी, महानगर उपाध्यक्ष मनोज पंडित, महानगर उपाध्यक्ष गुलाब यादव, इरफान अमानत चौधरी, असलम चौधरी, अंशु ठाकुर, विक्की ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य विकास यादव, कर्मवीर सिंह जाटव, महिला सभा जिला अध्यक्ष दुर्गा चौधरी महिला सभा, महानगर अध्यक्ष किरण कालिया, पूर्व जिला अध्यक्ष छात्र सभा मनीषा त्यागी. ताहिर हुसैन राहुल पंडित आदि सपाइयों ने भाग लिया।

विचार-विमर्श

पंच परिवर्तन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में केवल अपनी यात्रा का उत्सव नहीं मना रहा, बल्कि भारत के पुनर्निर्माण की दिशा में एक विचार-यात्रा प्रारंभ कर रहा है। इस यात्रा का केंद्र है ‘पंच परिवर्तन’, एक ऐसी रूपरेखा जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन की मांग करती है। संघ का यह प्रयास केवल संगठनात्मक ऊर्जा का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना को नई दिशा देने वाला सामाजिक संकल्प है। भारत आज सामाजिक विषमताओं, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय असंतुलन, आर्थिक परनिर्भरता और नागरिक दायित्वों की शिथिलता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में ‘पंच परिवर्तन’ केवल विचार नहीं, बल्कि इन समस्याओं के समाधान का समग्र मार्गदर्शन बनकर सामने आता है। यह पांच परिवर्तन–सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, ‘स्व’ आधारित जीवनशैली और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक निर्माण–भारतीय समाज के नवजागरण की आधारशिला के रूप में उभरते हैं।

समरसता भारतीय समाज की आत्मा है। यह केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार है। संघ का मानना है कि जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव न रहे, सभी भारत अपने सांस्कृतिक स्वरूप को साकार कर सकेगा। समानता और आत्मियता – यही समाज को जोड़ने की वास्तविक शक्ति है। इसी भावना को साकार करने के लिए संघ के स्वयंसेवक गाँव-गाँव में सहभोजन, समरस उत्सव और संयुक्त सेवा परियोजनाएँ आयोजित कर रहे हैं।



‘एक मंदिर झूझ एक जलस्रोत झूझ एक रमशाना’ जैसे अभियानों ने ग्रामीण समाज में बंधुता का वातावरण बनाया है। श्रीराम और केवट का प्रसंग आज भी इस समरसता का प्रतीक है, जहाँ सम्मान और आत्मीयता जाति या वर्ग से ऊपर उठ जाती है।

कुटुंब प्रबोधन-परिवार ही राष्ट्र की प्रथम इकाई
भारतीय संस्कृति में परिवार केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि संस्कार की प्रयोगशाला है। आज के यांत्रिक जीवन में जब संवाद घट रहा है और उपभोक्तावाद बढ़ रहा है, तब कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस होती है। संघ के ‘परिवार प्रबोधन अभियान’ के अंतर्गत देशभर में संयुक्त भोजन, साप्ताहिक पारिवारिक संवाद, सांस्कृतिक आयोजन और संस्कार वर्ग जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। इनसे पीढ़ियों के बीच संवाद पुनः स्थापित हो रहा है और परिवारों में भारतीय जीवन-मूल्य पुनर्जीवित हो रहे हैं। सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। बालगोकुलम् और संस्कार भारती जैसी पहलों इस कुटुंब संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं।

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी का जन्म

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर–सलेमानाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दाये–बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि–मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता।पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन–मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था।इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर भ्रमण करते, यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गया, भगवान राम का दिव्य जीवन)

भाग 37
गावँक से आगे
विश्वामित्र अपना निर्णय कराते रहते थे। एक समय जब वह धनुर्विद्या में ब्रह्मचारियों को पारायण का विनाश हो जाए। आताताई सब शांत हो जाएँ और कर्तव्य पारायण पुरुष राष्ट्र में, समाज में रहने चाहिए और इन्हीं क्रियाओं में मैं लगा हूँ, कि यन्त्र होने चाहिए,परन्तु यन्त्र विशाल हो।
तो महाराजा विश्वामित्र की यज्ञशाला में उस विज्ञानशाला में ऐसे–दरों यन्त्र उन्होंने निर्माणित किए,जिन यन्त्रों में विराजमान हो करके तुम लोकों का भ्रमण कर सको,लोक–लोकान्तरों में जाने वाले यन्त्रों का निर्माण,महाराजा विश्वामित्र बड़े–बड़े क्रियाकलापों में परिणत हो गए। उन्होंने कहा भगवन ! मैं आपके क्रियाकलापों से बड़ा चकित हो रहा हूँ।परन्तु मैं जानना चाहता हूँ कि आप यह जो याग कर रहे है, क्या यह परमपिता परमात्मा के दिव्य का अंग लेकर के चले हो? उन्होंने कहा मैं द्वितीय अंग भी लेकर चल रहा हूँ।
[प्रातःकालीन में ब्रह्मयाग

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, श्वासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर–सलेमानाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दाये–बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि–मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता।पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन–मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था।इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर भ्रमण करते, यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गया, भगवान राम का दिव्य जीवन)

भाग 37
गावँक से आगे
विश्वामित्र अपना निर्णय कराते रहते थे। एक समय जब वह धनुर्विद्या में ब्रह्मचारियों को पारायण का विनाश हो जाए। आताताई सब शांत हो जाएँ और कर्तव्य पारायण पुरुष राष्ट्र में, समाज में रहने चाहिए और इन्हीं क्रियाओं में मैं लगा हूँ, कि यन्त्र होने चाहिए,परन्तु यन्त्र विशाल हो।
तो महाराजा विश्वामित्र की यज्ञशाला में उस विज्ञानशाला में ऐसे–दरों यन्त्र उन्होंने निर्माणित किए,जिन यन्त्रों में विराजमान हो करके तुम लोकों का भ्रमण कर सको,लोक–लोकान्तरों में जाने वाले यन्त्रों का निर्माण,महाराजा विश्वामित्र बड़े–बड़े क्रियाकलापों में परिणत हो गए। उन्होंने कहा भगवन ! मैं आपके क्रियाकलापों से बड़ा चकित हो रहा हूँ।परन्तु मैं जानना चाहता हूँ कि आप यह जो याग कर रहे है, क्या यह परमपिता परमात्मा के दिव्य का अंग लेकर के चले हो? उन्होंने कहा मैं द्वितीय अंग भी लेकर चल रहा हूँ।
[प्रातःकालीन में ब्रह्मयाग



सम्पादकीय

दुनिया को मिला शांति का संदेश

वेनेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने का एलान न केवल शांति के पक्ष में उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, बल्कि महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से भी इसे एक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। शांति का अर्थ व्यापक है, इसमें संघर्ष और हिंसा से दूर रहना, समाज में सद्भाव एवं समानता, मानवाधिकारों की रक्षा, समृद्धि और न्याय जैसे तत्त्व भी शामिल होते हैं। मचाडो को अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और विपक्ष को एकजुट कर संपूर्ण व्यवस्था में सुधार लाने के वास्ते शांतिपूर्ण प्रयासों के लिए यह पुरस्कार मिला है। उन्हें एक ऐसी शख्सियत के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने तमाम मुश्किलों और बाधाओं को अपने साहस एवं जज्बे से मात देकर शांति की राह पर आगे बढ़ने की सीख दी है। उन्हें एक ऐसी महिला के रूप में भी मान्यता मिली है, जो व्यवस्थागत अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखने में सक्षम हैं। इससे पहले उन्हें यूरोपीय संघ के सर्वोच्च मानवाधिकार पुरस्कार ‘सखारोव’ से भी सम्मानित किया जा चुका है। मारिया मचाडो वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया के दौरान उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इससे पहले उन्होंने गहन तौर पर विभाजित रहे विपक्ष को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने एक ऐसा विपक्ष कार्यौ और उनके प्रभाव की तस्वीर धरातल पर साफ नजर आती हो। सिर्फ दावों का डंका बजाकर किसी समाज, राष्ट्र या दुनिया में धारणा का एक अस्थिर ढांचा खड़ा करने की कोशिश करने वालों की सच्चाई छिप नहीं पाती है। मचाडो को मिला यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वास्तव में महिलाओं को हर परिस्थिति में संघर्ष करते रहने की प्रेरणा भी देता है।

सोना लगातार महंगा होगा

टयोहारों और शादियों का मौसम है। आपकी बेटी की शादी होनी है और आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने पर सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.22 लाख रुपए तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपए के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे सकता है ? इधर एक बहस आरंभ हुई है कि सोने का बहिष्कार कर देना चाहिए। बेटी के लिए सोने का विकल्प सोचना चाहिए, लेकिन सोने के बाजार की हकीकत बिल्कुल अलग है। वहां आम आदमी का अस्तित्व ही नहीं है। ‘ वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल’ का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1–2 फीसदी ही है, जबकि केन्द्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10–20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विश्वेज्ज्ञों के आकलन हैं कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम 23 फीसदी और बढ़ सकते हैं। सोना 1.45 लाख और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछल सकता है, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केन्द्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890–5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है। सोच लीजिए, सोना कितने आसमानों को छू रहा है। उसके बाजार को आम आदमी और उसकी बेटी की कोई चिंता नहीं है, क्योंकि आम आदमी का निवेश ‘नगण्य’ है। ‘गोल्ड ईटीएफ’ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में ‘गोल्ड ईटीएफ’ में 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। अंतरराष्ट्रीय, अमरीकी बाजार में कभी सोने के दाम 20.7 डॉलर थे। 1834–1934 के बीच सोने के दाम धीरे–धीरे बढ़े और 35 डॉलर के दाम लगातार 34 साल तक स्थिर रहे। अब मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब टॉप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है। राष्ट्रपति टॉप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चितता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि वे अधिक तौर पर सबल रहें। अमरीका में भोजनिक ‘शटडाउन’ का दौर है। सरकारी कर्मचारियों को वेतन के बिना ही छुट्टी पर भेज दिया गया है, क्योंकि टॉप प्रशासन अमरीकी कांग्रेस (संसद) से बजट ही पास नहीं करा पाया है। बहरहाल 1970–80 का दौर याद कीजिए, जब सोना 20 गुना से अधिक महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा। 1990–91 के दौर में भारत सरकार को सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि सामान्य खर्च चलाए जा सकें। फिर उदारीकरण का दौर आया, सोना वापस ले लिया गया, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर खुल गई। अब तो सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है।

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है।

11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर समानता की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकारों, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूँ, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूँ। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियाँ। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप

में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आ'न करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद भी वह अनेकों कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं हैं। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटों, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोलें समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिए जाते हैं। इसलिए यहाँ महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ाये का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखार्जि नहीं

देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023–24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा हो जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं की अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

हमारे यहाँ आज भी बेटी पैदा होते



ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है। अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहेंगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी

पढ़ाओ योजना नहीं हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है। आज लड़किया लड़को से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़किया सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति और विकास में योगदान देती हैं। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी

देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है।

क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं। एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी

बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लड़का-लड़की में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताड़ना की घटनायें अखबारों की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहश्री भेडिये उन पर नज़रे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं। समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेंगें ना ही किसी को करने देंगे। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें

खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है। हम सभी जानते हैं कि एक एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मां, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है। हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंपन्न और समृद्ध समाज बना सकेंगे।

बागपत की कला, संस्कृति और परंपराओं का संगम बना स्वदेशी मेला

बागपत में पहली बार ‘स्वदेशी मेला’: राज्यमंत्री केपी मलिक ने किया उद्घाटन, 18 अक्टूबर तक लगेगा मेला

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। उत्तर प्रदेश में जनपद बागपत के कारीगर, हस्तशिल्पी और छोटे उद्यमी इस दिवाली अपनी कला, हुनर और उत्पादों को आम जनता के सामने प्रदर्शित करने के लिए तैयार हैं। सम्राट पृथ्वीराज चौहान डिग्री कॉलेज में आयोजित स्वदेशी मेले का आज शुभारंभ मुख्य अतिथि वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री केपी मलिक ने किया। उन्होंने मेले में लगाए गए स्टॉल्स का भी अवलोकन किया।

स्वदेशी मेले का उद्देश्य है स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को सीधा बाजार उपलब्ध कराना, उनकी आमदनी बढ़ाना, और ‘वोकल फॉर लोकल’ अभियान को मजबूती देना। इस मेले में जहां बागपत गर्व के साथ अपने स्वाद, उत्पादों का प्रदर्शन कर रहा है, वहीं सभी उत्कृष्ट कारीगर और उद्यमी भी एक मंच पर इकट्ठा हुए हैं। मेले में 25 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए हैं जिसमें घरेलू सजावटी वस्तुओं,

- वोकल फॉर लोकल को मिलेगा बढ़ावा
- स्वदेशी मेले में दिखी समृद्ध बागपत की झलक, एक मंच पर आए बागपत के सभी स्वाद, उत्पाद, कारीगर और उद्यमी

कलाकार मोबाइल एक्सेसरीज, ओडीओपी वस्तुओं, स्वयं सहायता समूहों दवा तैयार उत्पादों, कृषि उत्पादों आदि के स्टॉल्स लगाए एवं सरकारी विभागों ने भी स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी। जनपद के लोगों को अपने बागपत का एक नए अंदाज में अनुभव करने का अवसर मिलेगा।

यह मेला उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसकी थीम है ‘स्वदेशी उत्पाद और लोकल से वोकल’। इसका उद्देश्य न केवल



बागपत के कारीगरों और छोटे उद्यमियों को एक मंच देना है, बल्कि स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाना और आम जनता को देशी वस्तुओं के प्रति जागरूक करना भी है। यह पहल पहले केवल 18 मंडलों तक सीमित थी, लेकिन अब पूरे प्रदेश में इसे विस्तारित किया जा रहा है। जिले में यह मेला 18 अक्टूबर तक चलेगा।

इस मेले में बागपत के कारीगर

और हस्तशिल्पी अपने उत्पाद सीधे जनता को बेच रहे हैं। मेले में स्टाल पर कलाकार मोबाइल एक्सेसरीज के सीईओ युवा उद्यमी वासु मलिनिया ने बताया कि पहली बार ऐसा अवसर मिला है जब हम अपने उत्पादों को जिलेभर में पहुंचा सके। लोगों के आने से हमें एक नई पहचान और प्रोत्साहन मिल रहा है।

आज उनके स्टाल पर 10 हजार से अधिक की बिक्री हुई। वह पहले

कौशल विकास मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं जिसके बाद एमएसएमई योजना के तहत अपना उद्योग पंजीकृत कर कार्य कर रहे हैं और उनके बनाए उत्पाद मोबाइल चार्जर, डेटा केबल आदि ई कॉमर्स के माध्यम से देशभर में पहुंच रहे हैं। वहीं वेदांशी समूह से युवा उद्यमी रूपेंद्र धनकड़ ने बताया कि उनके गन्ने के बनाए उत्पादों को लोगों तक पहुंचाने का यह मौका पाकर बेहद खुश है।



उनके स्टाल पर गन्ने की चटनी, शहद, बिरिकट जैसे उत्पादों को खूब पसंद किया।

वन डिस्ट्रिक्ट वन उत्पाद और जीआई टैग प्राप्त उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया, जिससे उपभोक्ता न केवल उच्च गुणवत्ता और उचित मूल्य पर उत्पाद खरीद सके, बल्कि बागपत की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत से भी जुड़ रहे हैं। ‘स्वदेशी मेला’ का आयोजन बागपत

की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कारीगरों की आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आने वाले दिनों मेले के माध्यम से बागपत के उत्पाद न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश और देशभर में पहचान पाएंगे।

राज्यमंत्री केपी मलिक ने आह्वान किया कि जनपद बागपत के सभी नागरिक स्वदेशी मेले का हिस्सा बनें, स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों के

उत्पाद खरीदें और ‘वोकल फॉर लोकल’ को सशक्त करें। इस प्रकार के स्थानीय कार्यक्रमों में लोगों के आने से जहां कारीगरों का मनोबल बढ़ता है, वहीं अपनी संस्कृति, अपनी पहचान के संरक्षण और संवर्धन को भी बढ़ावा मिलता है।

सरकार भी स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को आर्थिक सशक्तिकरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह मेला बागपत की पहचान को मजबूत करेगा और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व पंकज वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग अर्चना तिवारी, नेहा जैन, आशा सहित उधोग विभाग की टीम सहित, जिला सूचना अधिकारी राहुल खत्री, ईओ के के भड़ना, जीएसटी विभाग के योगेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

परीक्षा में आधे से अधिक परीक्षार्थी रहे गायब



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज के तत्वावधान आयोजित सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा तथा सहायक वन संरक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा परीक्षा रविवार को आयोजित

हुई। परीक्षा में आधे से अधिक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

जनपद के सभी 15 परीक्षा केंद्र पर दोनो पाली की परीक्षा शांति रूप से सकुशल संपन्न हुई। हालांकि परीक्षा में आधे से अधिक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जनपद में कुल 6240 परीक्षार्थियों को परीक्षा देनी

थी। इनमें से आधे से भी कम 2527 विश्व बंधु शास्त्री परीक्षार्थी ही केन्द्रों पर पहुंचे।

यानि 3713 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। जिलाधिकारी अस्मिता लाल और पुलिस अधीक्षक सुरज राय ने परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने लिए 03 विधिक नमूने, कराया एक हजार किलो मावा नष्ट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में आगामी दीपावली , गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज पर्व के अवसर पर आम जनमानस को खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज सहायक आयुक्त (खाद्य) डी. पी.सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी यश दत्त आर्य द्वारा छापेमारी कार्यवाही की गई।

कार्यवाही के दौरान टीम ने महताब पुत्र वहीद, निवासी धनोरा सिल्वरनगर की मावा भट्टी से मावा का नमूना संग्रहीत किया। कल्लू पुत्र हरिराम की मारुति ईको गाड़ी से जा रहे मावा का भी नमूना संग्रहीत किया गया।

सभी संग्रहित किये गए विधिक नमूनों को जाँच हेतु खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किए जा रहे हैं, जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।



करीब तीन लाख रुपये आँकी गई। इसके बाद टीम ने असलम पुत्र यामीन की पिकअप गाड़ी से जा रहे मावा का नमूना संग्रहीत किया। कल्लू पुत्र हरिराम की मारुति ईको गाड़ी से जा रहे मावा का भी नमूना संग्रहीत किया गया।

सभी संग्रहित किये गए विधिक नमूनों को जाँच हेतु खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किए जा रहे हैं, जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

रालोद का सदस्यता अभियान: राष्ट्रीय लोकदल में सभी वर्गों का हित निहित: डॉ अजय कुमार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। छपरीली विधानसभा के ग्राम कमाला में रविवार को राष्ट्रीय लोकदल सक्रिय सदस्यता अभियान कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी ने राष्ट्रीय लोकदल में आस्था जतायी और उत्साह के साथ सदस्यता ग्रहण की। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। छपरीली विधायक डा० अजय कुमार ने कहा कि क्षेत्र का चहुँमुखी विकास हो रहा है। वर्तमान में पार्टी का सदस्यता अभियान चल रहा है जिसमे सभी बढ़चढ़ कर हिस्सा ले। राष्ट्रीय लोकदल में सभी वर्गों का हित निहित है। पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज उज्जवल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री चौधरी जयन्त सिंह



सर्व समाज के हितैषी है। राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा और नीतियों से प्रभावित होकर लोग बड़ी संख्या में पार्टी से जुड़ रहे हैं। हमारा उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करना और क्षेत्र के विकास के लिए काम करना है।

पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल धामा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल पार्टी एक विचारधारा है। सभी का सम्मान राष्ट्रीय लोकदल में है। हर

दिन राष्ट्रीय लोकदल मजबूती के साथ सदस्यता अभियान के तहत हर वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़ने का कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय लोकदल के नेताओं ने जातिवाद को राखती नहीं की। एस सी एसटी के प्रदेश सचिव लेखराज, प्रधान राजू तोमर सिरसली, मास्टर सुरेश राण ने सभी से सदस्यता अभियान में जुटने का आह्वान किया। संचालन देवेन्द्र नेताजी ने किया।

धूमधाम और श्रद्धा से निकली महाराजा अग्रसेन की मृत्यु रथ यात्रा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत) कस्बे में वैश्य समाज द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज की ओर से भव्य रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें न केवल अग्रवाल समाज बल्कि सर्वसमाज के सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे कस्बे में महाराजा अग्रसेन के जयघोष गूंजते रहे।

बालाजी मंदिर से दोपहर 12 बजे यात्रा का शुभारंभ हुआ। नगरपालिका सभासद ममता सिंघल और वरिष्ठ तत्वावधान में शाइन चैरिटेबल रक्त बैंक मेरठ के सहयोग से अग्रवाल धर्मशाला अग्रवाल मंडी टटोरी में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।



बीच यात्रा ने छोटा बाजार, बड़ा बाजार और जैन कॉलेज रोड सहित नगर के मुख्य मार्गों का भ्रमण किया। यात्रा में महाराजा अग्रसेन के रथ के साथ इष्ट देवताओं की आकर्षक

झांकियां शामिल थीं, जो पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनीं रहीं। सजे-धजे घोड़ों पर सवार बच्चे वैश्य समाज का ध्वज थामे सबसे आगे चल रहे थे, जो यात्रा का मुख्य

आकर्षण रहे। रास्ते में जगह-जगह वैश्य समाज के लोगों ने पुष्प वर्षा कर रथ यात्रा का स्वागत किया। श्रद्धालु जगह-जगह आरती उतारते और अबीर-गुलाल उड़ते हुए महाराजा अग्रसेन के जयकारे लगाते रहे। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। करीब चार घंटे तक नगर भ्रमण करने के बाद रथ यात्रा गांधी गंज मंडी पहुंचकर विधिवत रूप से संपन्न हुई। यात्रा का संचालन उद्यमी संजय सिंघल, आदर्श गुप्ता, राजीव गुप्ता, डॉ. योगेश जितल, चिराग अग्रवाल, विनोद गुप्ता, अभिलेख गुप्ता, प्रत्यक्ष, अप्रिंत, मोहित और सूर्या ने संयुक्त रूप से किया।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। उत्तर प्रदेश के सर्वोच्च युवा पुरस्कार, राज्य स्तरीय स्वामी विवेकानन्द यूथ अवॉर्ड विजेता अमन कुमार ने अब राष्ट्रीय युवा पुरस्कार के लिए आवेदन किया है जो युवाओं को मिलने वाला देश का सर्वोच्च युवा पुरस्कार है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल की अनुज्ञांसा पर जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी के मार्गदर्शन में आवेदन तैयार कर भारत सरकार को प्रेषित किया गया है।

अमन कुमार ने बताया कि वह स्वामी विवेकानन्द यूथ अवॉर्ड मिलने के उपरांत इस वर्ष जनपद के युवाओं



का मार्गदर्शन कर रहे हैं कि कैसे वे भी समाज कार्य में सहभागी बन एक जिम्मेदार युवा नागरिक बन सकते हैं। उनके प्रयासों से इस बार चार नए युवाओं का मार्गदर्शन कर उनका आवेदन स्वामी विवेकानन्द यूथ

अवॉर्ड हेतु तैयार कराया गया है ताकि जनपद के अधिकाधिक युवाओं को आगे बढ़ने का संबल एवं प्रोत्साहन मिले। वहीं राज्य पुरस्कार में प्राप्त धनराशि से स्वामी विवेकानन्द के विचारों पर आधारित साहित्य का युवाओं के बीच प्रचार प्रसार कर रहे हैं। अमन ने बताया, 'हमारा जनपद हमारी जिम्मेदारी है और एक नागरिक के रूप में हमें जो कुछ भी इसकी बेहतरी के लिए कर सकते हैं, वह करना चाहिए।'

अब पूरा बागपत जनपद इस आशा से देख रहा है कि अमन राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मेहनत और समर्पण से प्रदेश का मान बढ़ाएंगे। एक ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े युवा के रूप में अमन

कुमार को राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान मिलने से प्रदेश के उन सभी युवाओं का मनोबल बढ़ेगा जो अपने क्षेत्र के विकास में निःस्वार्थ भाव से योगदान दे रहे हैं। उनकी पहल से न सिर्फ ग्रामीण इलाकों में युवाओं की सोच बदली है बल्कि उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी हुआ है।

अमन कुमार ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के संग कार्य करने के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के कार्यों में भी योगदान देकर ग्लोबल थिंकिंग, लोकल एक्शन का मंत्र अपनाया। उनकी उपलब्धियों से प्रेरित होकर एवं मार्गदर्शन प्राप्त पर जनपद के अनेक युवा आगे बढ़ें जो आज अपनी सफलता का श्रेय अमन को देते हैं।

तीन सगे भाइयों समेत 50 रक्तवीरों ने किया रक्तदान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। भारतीय रेडक्रॉस समिति एवं लायंस क्लब अग्रवाल मंडी के संयुक्त तत्वावधान में शाइन चैरिटेबल रक्त बैंक मेरठ के सहयोग से अग्रवाल धर्मशाला अग्रवाल मंडी टटोरी में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा, रक्त अनमोल है। जीवन बचाने के लिए

सभी स्वस्थ स्त्री पुरुषों को प्रत्येक तीन माह में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। शिविर में 50 स्त्री पुरुषों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। श्रीमती पिकी एवं उनके पति सोनू ने एक साथ रक्तदान किया। तीन सगे भाइयों नैतिक शर्मा, अर्किट शर्मा, अशोक शर्मा निवासी अग्रवाल मंडी ने एक साथ रक्तदान कर मिसाल कायम की। पिता पुत्र की जोड़ी ने भी रक्तदान किया। पंडित और रघवीर दयाल एवं उनके सुपुत्र ने एक साथ मतदान किया। शिविर के मुख्य संयोजक डॉक्टर मयंक गोयल,

सभापति पंकज गुप्ता ने बताया इष्टि फाउंडेशन ने प्रत्येक रक्तदाता को हेलमेट सम्मान स्वरूप प्रदान किया। जिला रेडक्रॉस समिति के सचिव अभिमन्यु गुप्ता ने बताया शिविर में लायन प्रदीप कुमार, लायन प्रदीप नैन, लायन अनिल गांधी, लायन आशुतोष मित्तल, लायन प्रमोद जैन, लायन प्रमोद मानव, एडवोकेट लायन दीपक गोयल, लायन अतुल जितल, लायन डॉक्टर रामलाल, लायन धीरज अग्रवाल, चौधरी पिकी, रोबिन कुमार, जयवीर मास्टर, धीरज कुमार ने सहयोग किया।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा। सरफाबाद स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में ग्राम पंचायत ललिताना व फुलेरा के विद्यालयों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य दुष्यंत कुमार ने किया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के



विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट

प्रदर्शन किया। प्राथमिक स्तर पर 50 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में वंश व

बालिका वर्ग में अलिफशा, 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में लकी व

बालिका वर्ग में अलीशा, जबकि 200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में सोना और बालिका वर्ग में निधि प्रथम रहीं। लंबी कूद में बालक वर्ग में अर्जुन व बालिका वर्ग में नैन्सी ने बाजी मारी। विजेताओं को ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सुनील डागर ने सम्मानित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नोडल प्रभारी रूपेश चौधरी, प्रदीप दीक्षित, संजीव कुमार, आर्यव्रत आदि का विशेष सहयोग रहा।

जरूरतमंदों के लिए वरदान बनी ‘सारथी रसोई’

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत) सारथी वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से समाजसेवा की मिसाल कायम करते हुए रविवार को 34वीं ‘सारथी रसोई’ का शुभारंभ नगरपालिका परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि वरुण तोमर ने फीता काटकर किया। इस रसोई का उद्देश्य जरूरतमंद, गरीब, मजदूर वर्ग, रिक्शा चालक, राहगीर तथा अन्य वर्गों के लोगों को मात्र 5 रुपये

में भरपेट, स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है।

फाउंडेशन के अध्यक्ष विकास गुप्ता का दावा है कि रसोई प्रतिदिन लगभग 800 से 1000 लोगों को भोजन कराती है। रसोई में डॉ. आशुतोष शर्मा व मोनिका ने विशेष सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि ‘किसी भूख को भरपेट भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है। 5 रुपए में भोजन के लिए लंबी कतारें इस बात का प्रमाण हैं कि सारथी



रसोई समाज के लिए कितनी उपयोगी साबित हो रही है।'

फाउंडेशन के अध्यक्ष विकास गुप्ता ने बताया कि रसोई सबके

सहयोग और सहभागिता से निरंतर चल रही है। ऐसे कार्यों से आत्मिक शांति और सच्ची संतुष्टि मिलती है। इस अवसर पर एसआई ऋतु चौधरी, ऋतु, काजल, मधु वर्मा, मीता अरोरा, विष्णु जैन, संजना जैन, चाँदनी शर्मा, कांता राजपूत, अनिल अरोरा, सुनील मेवला, सोनू तोमर, विवेक चौधरी, सावन तोमर, मनीष जैन, सत्यम जैन, अंकुज खोखर सहित फाउंडेशन की टीम और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रही।

“मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह” में मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम “आपदा एवं आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य” विषय पर सेमिनार



इस अनसर्प राण्डो मनीष शर्मा,
डॉ ० मंजरी राणा, डॉ ० सहर्ष वाल्टर,
निशा, रिमना, हुमा, अलश्या, सुमन,
इंदु, जूही, हिमानी, बाँबी, अखिल,
जुबेर, अनुज, शोएफ, सजीव, डॉ ०
किर्वाजित सिंह जुनेजा, डॉ ० कृति
कंवर, डॉ ० विवेक पाठक, डॉ ०
सोहानी, डॉ ० विदिशा, डॉ ० गजल,
डॉ ० मयंक, डॉ ० बी०एस० त्यागी,
एम०ए० चैधरी, डॉ ० रुचिना, डॉ ०
प्रेरणा, डॉ ० श्रेया, डॉ ० अनमोल एव
मेरठ परिसर से निदेशक डॉ ० प्रताप
सिंह, मीडिया प्रबंधी विश्वास राणा
आदि लोग उपस्थित रहे ।

डीआईजी की सख्ती का असर: ‘ऑपरेशन प्रहार’ में मेरठ रेंज की बड़ी कार्रवाई, 7858 अपराधियों का 24 घंटे में सत्यापन

बाल अपराधों में लिप्त अभियुक्तों की पहचान और सत्यापन कर कानून व्यवस्था मजबूत बनाने का अभियान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ । मेरठ रेंज के चारों जनपदों में पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) श्री कलानिधि नैथानी के निर्देशन में चलाए जा रहे ‘ऑपरेशन प्रहार’ अभियान के तहत बाल अपराधों में लिप्त और पिछले 10 वर्षों में जेल जा चुके अपराधियों का व्यापक सत्यापन किया गया। इस दौरान 24 घंटे के विशेष अभियान में चारों जनपदों की थानों द्वारा गठित टीमों ने कुल 7858 अपराधियों का सत्यापन किया।

डीआईजी नैथानी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बाल अपराधों में लिप्त अपराधियों पर सख्त निगरानी रखना और भविष्य में संभावित अपराधों को रोकना है। इसके तहत सभी थानों पर विशेष टीमें गठित की

गईं, जिन्होंने पिछले 10 वर्षों के अपराधियों की मौजूदा स्थिति की तस्दीक की। डीआईजी नैथानी ने बताया कि सत्यापन के दौरान अपराधियों की मौजूदगी, जेल में होना, जनपद से बाहर रहना, मृत्यु या लापता होना की स्थिति दर्ज की गई। इस सघन अभियान से पता चला कि पुलिस की सतर्कता और निरंतर गश्त से अपराधियों में खौफ बढ़ा है और कानून-व्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है।

हापुड़ में पुलिस की प्रभावी कार्रवाई
हापुड़ जनपद में 1937 अपराधियों का सत्यापन किया गया। इसमें कई अपराधी वर्तमान में जेल में

हैं, कुछ अन्य जनपदों में रहते हैं, जबकि कुछ लापता पाए गए। थानावार टीमों ने उनकी स्थिति दर्ज कर अगली कार्यवाही के लिए रिपोर्ट तैयार की। डीआईजी नैथानी ने कहा कि ‘हमारी प्राथमिकता है कि बाल अपराधों में लिप्त अपराधियों पर निगरानी रखें और उन्हें अपराध करने से पहले ही रोका जाए। ऑपरेशन प्रहार इसी दिशा में एक सशक्त कदम है। हमारी टीमों की सख्ती और तत्परता से अपराधियों में डर और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।’ डीआईजी ने कहा कि ‘ऑपरेशन प्रहार सिर्फ एक अभियान नहीं है, बल्कि हमारी मेरठ रेंज में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की निरंतर कोशिश है। पिछले 10 वर्षों में बाल अपराधों में लिप्त

अभियान की विशेषताएँ

- चारों जनपदों में थानावार टीमों का गठन
- पिछले 10 वर्षों में बाल अपराधों में लिप्त अपराधियों का सत्यापन
- 24 घंटे के विशेष अभियान में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई
- पुलिस की सतर्कता से अपराधियों में कानून का डर
- इस अभियान से यह संदेश गया कि डीआईजी की सख्ती और पुलिस की तत्परता से कोई अपराधी कानून की नजर से बच नहीं सकता, और अपराधियों के खिलाफ जनपद में लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

जनपदवार कार्रवाई का विवरण

- मेरठ : 1781 अपराधियों का सत्यापन
- बुलंदशहर: 2697 अपराधियों का सत्यापन
- बागपत : 1443 अपराधियों का सत्यापन
- हापुड़ : 1937 अपराधियों का सत्यापन

अपराधियों की स्थिति का सत्यापन करना हमारा प्राथमिक लक्ष्य था। इसके जरिए हम न केवल अपराधियों की मौजूदा स्थिति को जानते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य में अपराध करने से रोकने का एक सशक्त कदम भी उठा रहे हैं। ‘हमने इस अभियान को 24 घंटे के भीतर तेजी और पूर्ण समर्पण के साथ चलाया। सभी थानों में टीमों का गठन किया गया, जिनमें थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक और हेड कांस्टेबल सम्मिलित थे। इन टीमों ने हर अपराधी का व्यक्तिगत सत्यापन किया, चाहे वह जेल में हो, जनपद से बाहर हो, लापता हो या किसी कारणवश मृत हो। कुल 7858 अपराधियों की स्थिति दर्ज की गई।’ ‘हमें गर्व है कि हमारी सतर्कता और सख्ती का असर अपराधियों में साफ दिखाई दे रहा है। इस अभियान से क्षेत्र में कानून का डर बढ़ा है और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। ऑपरेशन प्रहार का उद्देश्य केवल अपराधियों की पहचान करना नहीं है, बल्कि आम जनता को यह संदेश देना भी है कि पुलिस उनके साथ है और किसी भी बाल अपराध या महिला-शिशु सुरक्षा से जुड़े अपराध में किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी।’ ‘हमारी रणनीति यही है कि अपराध की जड़ तक पहुंचें और उसे समय रहते रोकें। यह अभियान हमारे थानों की तत्परता, टीमवर्क और जिम्मेदारी की मिसाल है।’

आने वाले दिनों में हम इस अभियान को नियमित रूप से जारी रखेंगे ताकि मेरठ रेंज में कानून-व्यवस्था मजबूत रहे और अपराधियों के लिए कोई जगह न बचे।’

मिशन शक्ति: मित्र पुलिस का चेहरा बनीं महिला थाना प्रभारी, बेटियों में भर रही आत्मविश्वास की नई रोशनी गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक और आत्मनिर्भर बना रही अरुणा राय, ‘मित्र पुलिस’ की मिसाल बनीं

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना प्रभारी अरुणा राय लगातार महिलाओं और बेटियों को जागरूक एवं सशक्त बनाने में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक विशेष पहल के तहत स्थानीय स्कूल की छात्राओं को थाने का भ्रमण कराया, जहां बच्चियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा और समझा कि किस प्रकार पुलिस आमजन की सुरक्षा और सहायता के लिए कार्य करती है। थाना परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान बच्चियों को थाना भवन का निरीक्षण कराया गया। महिला थाना प्रभारी अरुणा राय ने उन्हें एफआईआर दर्ज होने की प्रक्रिया, महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों (1090, 181, 112) की जानकारी दी और बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क कर सकती हैं। उन्होंने छात्राओं से कहा कि ‘पुलिस आपकी दोस्त है, दुश्मन नहीं। जब भी कोई समस्या हो, डरें नहीं पुलिस आपकी रक्षा के लिए ही है।’

गांव-गांव जाकर महिलाओं को कर रही जागरूक

अरुणा राय ने कहा कि सिर्फ थाने की सीमा तक सीमित नहीं हैं। वे मिशन शक्ति अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए गांव-गांव जाकर महिलाओं, किशोरियों और बुजुर्ग महिलाओं से संवाद कर रही हैं। अपने



प्रेरक संबोधनों में वे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करती हैं।

उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति का उद्देश्य केवल महिला सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना भी है। इसके तहत महिला थाना टीम ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर स्कूलों, पंचायत भवनों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर संवाद कार्यक्रम

आयोजित कर रही है। अरुणा राय ने कहा कि ‘मिशन शक्ति सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि महिलाओं की सोच, आत्मविश्वास और समाज में उनके सम्मान को नई ऊँचाई देने का आंदोलन है। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी महिला खुद को असहाय महसूस न करे। हम चाहते हैं कि हर बेटे, हर माँ, हर बहन खुद के अधिकारों को जाने, अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक हो और आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी पहचान बनाए।’

नाबालिग किशोरियों को बहला-फुसलाकर भगाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह के दिशा-निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हापुड़ देहात पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। नाबालिग किशोरियों को बहला-फुसलाकर भगाने के मामलों में पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के मुकदमा संख्या 343/2025, धारा 137(2), 74 बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत दर्ज प्रकरण में नामजद अभियुक्त शाहिल पुत्र महबूब, निवासी मोहल्ला छरजू, थाना बिहार, जनपद नालंदा (बिहार) को पुलिस ने सुल्तानपुर कट के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस को उसकी तलाश थी। दूसरे मामले में थाना हापुड़ देहात में दर्ज मुकदमा संख्या 344/2025, धारा 137(2), 65(1), 115(2), 351(2) बीएनएस व 3/4(2) पॉक्सो एक्ट के तहत वांछित अभियुक्त गौरव पुत्र रामशरण, निवासी पटना सुरादपुर, थाना हापुड़ देहात, जनपद हापुड़ को लोधीपुर मोड़ से दबोचा गया। पुलिस ने मुखबिगर की सूचना पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया। दोनों कार्रवाइयों में उपनिरीक्षक शरद यादव, हेड कांस्टेबल नन्हे (451) और हेड कांस्टेबल जगवीर सिंह (833) की टीम ने शानदार भूमिका निभाई। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सटीक



रणनीति बनाकर दबिश दी और दोनों अभियुक्तों को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी हापुड़ देहात ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को थाने लाकर पृष्ठछाछ की जा रही है। आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि ‘महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े अपराधों में पुलिस सख्त रवैया अपना रही है। ऐसे अपराधियों के खिलाफ किसी भी सुरत में नरमी नहीं बरती जाएगी।’ पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने दोनों मामलों में त्वरित कार्रवाई करने वाली टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ‘जनपद हापुड़ पुलिस महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। पॉक्सो एक्ट जैसे मामलों में अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर न्याय दिलाना हमारी प्रतिबद्धता है।’

महिलाओं को किया जागरूक

धीलाना (हापुड़)। मिशन शक्ति अभियान के तहत रविवार को धीलाना क्षेत्र के गांव बांसपुर में एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से एक जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान टीम ने न सिर्फ महिला सुरक्षा से जुड़ी जानकारी साझा की, बल्कि सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की उपयोगिता भी बताई। यह जागरूकता अभियान थाना प्रभारी धीलाना नीरज कुमार के नेतृत्व में संचालित किया गया। कार्यक्रम में एंटी रोमियो टीम की महिला उपनिरीक्षक रक्षा सिंह और महिला कांस्टेबल पंकी कुमारी ने महिलाओं को आत्मरक्षा, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी। टीम ने महिलाओं और छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत निम्न नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है — 1090 - महिला हेल्पलाइन (महिला सुरक्षा हेतु) 1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन (बच्चों के लिए आपातकालीन सहायता) 112 - आपातकालीन पुलिस सहायता, 108 - एम्बुलेंस सेवा, 1930 - साइबर अपराध शिकायत हेल्पलाइन के लिए। उपनिरीक्षक रक्षा सिंह ने उपस्थित महिलाओं से कहा कि ‘किसी भी प्रकार की असुरक्षा की स्थिति में डरें नहीं, तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस आपकी रक्षक और मित्र है। मिशन शक्ति अभियान का मकसद ही यही है कि हर महिला खुद को सुरक्षित और सशक्त महसूस करे।’

एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने किया पीसीएस परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

इयूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश, बोले- ‘परीक्षा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण कराना हमारी प्राथमिकता’

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। रविवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा-2025 को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने रविवार को जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों के बाहर और भीतर की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से परखा तथा इयूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की भीड़भाड़ न होने दी जाए और शांति व्यवस्था हर हाल में बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों पर लगाए गए पुलिसकर्मियों अपने कर्तव्यों का ईमानदारी एवं संजगता के साथ पालन करें, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में सम्पन्न हो सके।

एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कहा कि ‘हमारा उद्देश्य है कि पीसीएस परीक्षा-2025 जनपद में पूरी पारदर्शिता और शांति के साथ



सम्पन्न हो। पुलिस बल को इस दिशा में सतर्क और सक्रिय रहना होगा। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने हापुड़ नगर व देहात क्षेत्र के विभिन्न पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त बढ़ाई जाए और परीक्षा अवधि तक सुरक्षा व्यवस्था सख्त रखी जाए।



कहा कि कोई भी अभ्यर्थी या बाहरी व्यक्ति परीक्षा केंद्रों के भीतर या आसपास किसी प्रकार की गड़बड़ी न कर सके। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, एवं संबंधित पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त बढ़ाई जाए और परीक्षा अवधि तक सुरक्षा व्यवस्था सख्त रखी जाए।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस: सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने ‘वॉर्काथॉन 2025’, के साथ दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग, अनवरपुर, पिलखुवा द्वारा ‘वॉर्काथॉन 2025’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से भावनात्मक कल्याण को प्रोत्साहित करना था। यह वॉर्काथॉन सुबह 6:30 बजे रामलीला मैदान से एसआईएमएस गेट, पिलखुवा तक आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का विषय रहा ‘सेवाओं तक पहुंच: आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य।’

सैकड़ों विद्यार्थियों की सहभागिता, जागरूकता का दिया संदेश

वॉर्काथॉन में सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं सरस्वती इंस्टिट्यूट



मानसिक स्वास्थ्य को लेकर दिया विशेष संदेश

कार्यक्रम में श्री नंजप्पा गोडर वरधराजन (जीएम, सरस्वती इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कॉलेज द्वारा की जा रही इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता का दायरा बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) आर. मनोहरी शिवकुमार ने कहा ‘मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व दिया जाना चाहिए। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी, स्वास्थ्यकर्मी और समाज सभी मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझें और एक संतुलित जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ें।’

ऑफ पैरामेडिकल के 300 से अधिक विद्यार्थियों और 55 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने समाज में यह संदेश दिया कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही आवश्यक है और इसे लेकर खुलकर

बातचीत की जानी चाहिए। आयोजन मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग की ओर से प्रो. (डॉ.) आर. मनोहरी शिवकुमार, प्राचार्य (संयोजक) एवं प्रो. श्री केतन शर्मा, उप-प्राचार्य (सह-संयोजक) के नेतृत्व में किया गया।

हापुड़ पुलिस का बड़ा अभियान: 24 घंटे में 1410 बाल अपराधियों का सत्यापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। आगामी त्योहारों के मद्देनजर अपराध नियंत्रण को लेकर हापुड़ पुलिस ने एक बड़ा अभियान चलाया। 24 घंटे के भीतर जिले भर में विगत 10 वर्षों में बाल अपराधों से जुड़े मामलों में प्रकाश में आए 1410 अपराधियों का सत्यापन किया गया। यह अभियान अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक, मेरठ परिक्षेत्र के आदेशानुसार, पुलिस अधीक्षक हापुड़ कुंवर ज्ञानंजय सिंह के निर्देशन में चलाया गया। अभियान का उद्देश्य त्योहारों के दौरान जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखना था।

कैसे चला अभियान

दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को पूरे जनपद में सभी थाना प्रभारियों द्वारा



विशेष अभियान चलाया गया। थानों पर टीमों का गठन कर पिछले 10 वर्षों में बाल अपराधों से संबंधित मामलों में चिन्हित कुल 1937 अपराधियों में से 1410 का सत्यापन किया गया। इसमें से 1270 अपराधी मौजूद

सर्किलवार सत्यापन विवरण						
सर्किल/थाना	कुल अपराधी	सत्यापित	मौजूद	जेल में	मृत्यु	लापता/फरार
हापुड़ नगर	303	224	203	21	–	–
हापुड़ देहात	212	128	116	11	01	–
बाबूआढ़	151	150	138	07	02	03
पिलखुवा	261	168	159	07	02	93
धीलाना	218	103	93	10	–	115
हाफिजपुर	124	100	86	04	10	24
कपूरपुर	22	22	19	03	–	–
गढ़मुक्तेश्वर	293	210	195	12	02	83
सिम्भावली	208	190	187	03	–	18
बहादुरगढ़	145	115	74	11	02	28
कुल योग	1937	1410	1270	89	10	41

मिले, 89 अपराधी जेल में निरुद्ध पाए गए, 10 अपराधियों की मृत्यु हो चुकी है। 41 अपराधी लापता हैं जिनकी तलाश हेतु थानावार टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस अधीक्षक हापुड़ ने बताया

कि जिले में अपराधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बाल अपराधों से जुड़े सभी अभियुक्तों की गहन जांच की जा रही है ताकि कोई भी अपराधी दोबारा अपराध की राह पर न लौट सके। उन्होंने कहा कि यह

सत्यापन अभियान आगामी त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लापता अपराधियों की तलाश के लिए सीओ स्तर पर निगरानी टीमें गठित कर दी गई हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता व सुरक्षा से आया व्यापक निवेश: मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने गोरखपुर में किया यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला का शुभारंभ



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस) और मजबूत कानून व्यवस्था से सुरक्षा का माहौल हो तो वहां दुनिया के निवेश को आने से कोई भी नहीं रोक सकता। उत्तर प्रदेश में आज शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस है तो यहां की कानून व्यवस्था नजीर मानी जाती है। इनके समन्वय से उत्तर प्रदेश में देश और दुनिया से व्यापक निवेश आया है। आज का उत्तर प्रदेश, देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला का आयोजन राज्य के हर जिले में हो रहा है। इसके पहले प्रदेश में बने उत्पादों को मंच देने के लिए 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया गया था। इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2250 से अधिक उद्यमियों ने अपने उत्पादों की शो केसिंग की थी। 500 से अधिक विदेशी क्रेता यहां आए थे और इस ट्रेड शो में 11200 करोड़ रुपये के उत्पादों की बिक्री हुई। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है जो बीमारू राज्य से उबरकर इसे उद्यम प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उद्यम लगेंगे तो रोजगार मिलेगा। उद्यम लगेंगे

सपना था 2017 के पहले यूपी में उद्यम लगाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में उद्यम लगाना एक सपना था। तब ऐसी अराजकता थी कि लोग यूपी से भागने की फिराक में रहते थे। 12017 के बाद डबल इंजन सरकार में सुरक्षा का जबरदस्त वातावरण बना। जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। उद्योगों से जुड़े नियमों का सरलीकरण किया गया। इस ऑफ़ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाया गया। एमएसएमई में एक हजार दिनों तक एनओसी लेने की छूट दी गई। इससे उद्यमिता का जबरदस्त माहौल बना। प्रदेश में जो एमएसएमई युनिट्स बंद हो रही थी, उन्हें संजीवनी मिलने लगी। आज एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख युनिट क्रियाशील हैं और इसके जरिए दो करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार मिलना सुनिश्चित हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार सृजन एमएसएमई में है। यह संकट के समय में भी रोजगार देने वाला क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौर में जब देश के अन्य राज्यों से 40 लाख श्रमिक उत्तर प्रदेश आए, तब उन्हें एमएसएमई सेक्टर का ही सहारा मिला।

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का मॉडल बन रहा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भरता के हर एक क्षेत्र में मॉडल बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश ने कानून व्यवस्था के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। हाईवे, रेलवे, एयरवे, इनलैंड वॉटरवे में प्रगति की लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा कि 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश में मात्र दो एयरपोर्ट की क्रियाशील थे जबकि आज 16 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। देश का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा के जेवर में बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के 6 छह शहरों में मेट्रो ट्रेन की सेवाएं मिल रही हैं। राज्य के सभी बड़े शहरों में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है। इस माह प्रदेश में इलेक्ट्रिक बस निर्माण के उद्यम का उद्घाटन भी होने जा रहा है। अब इलेक्ट्रिक बस उत्तर प्रदेश में भी बनेगी। इससे पर्यावरण संरक्षण तो होगा ही रोजगार भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का पहला इनलैंड वॉटरवे वाराणसी से हल्द्विया तक उत्तर प्रदेश में है। देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास है। देश में पहली रैपिड रेल चलाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है।

आगे बढ़ाना है वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल के अभियान को

सीएम योगी ने स्वदेशी के माध्यम से हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल के अभियान को आगे बढ़ाना है। सब लोग ठान लें तो कोई बाधा भी नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले दीपावली पर लक्ष्मी जी और गणेश जी की मूर्तियां उस चीन से आती थीं जो देवी देवताओं पर विश्वास ही नहीं करता है। आज ओडीओपी के जरिये टैराकोटा की मिट्टी की बनी मूर्तियां मार्केट में हैं। अब तो टैराकोटा को जीआई टैग भी मिल गया है। यह देश दुनिया में कहीं भी बिना किसी सवाल के बिक सकता है। सीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश सर्वाधिक जीआई टैग उपलब्ध कराने वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक प्रगति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक आइटम के निर्माण का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। देश में अकेले 60 प्रतिशत मोबाइल यूपी में बन रहा है।

यूपी को उत्तम प्रदेश बना दिया सीएम योगी ने : रवि किशन

सांसद रविकिशन शुक्ल ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि सीएम योगी ने यूपी को बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकालकर उत्तम प्रदेश बना दिया है। आज उत्तर प्रदेश विकास के मामले में नजीर पेश कर रहा है। उनके एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना का उनका विजन साकार रूप में पूरे देश में हिट हो गया है। स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह में एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, सरवन निषाद, प्रदीप शुक्ल, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, कालीबाड़ी के महंत रविव्रदास, आयुक्त एवं निदेशक उद्योग के. विजयेंद्र पाडियन आदि की भी मंच पर उपस्थिति रही।

घबराइए मत, सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता : सीएम योगी

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। गुरुरा शम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास करने के बाद शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से सबातचीत करते हुए कहा, ह्वाबराइए मत, हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। हर पीड़ित की शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। यह सरकार की प्राथमिकता है। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निस्तारण कराएं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत

दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रही।

कुरसियॉ पर बैठए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वासन दिया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों की अहंनि अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर

उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ बच्चों पर खूब प्यार-दुलार बरसाया। उन्होंने इन बच्चों को चॉकलेट देकर आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में 160 परिवारों को सौंपी प्लैट की चाबी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

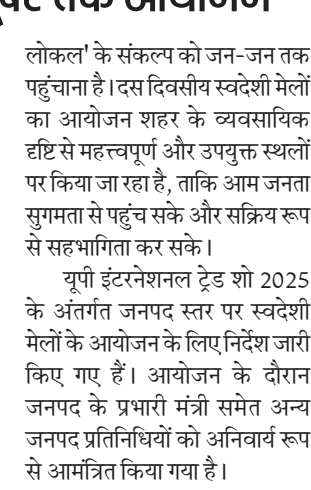
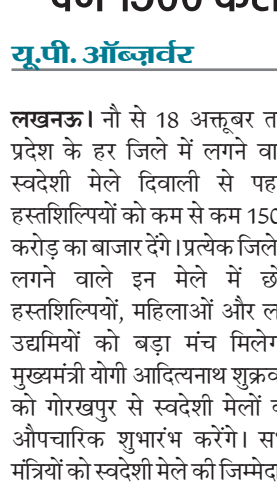
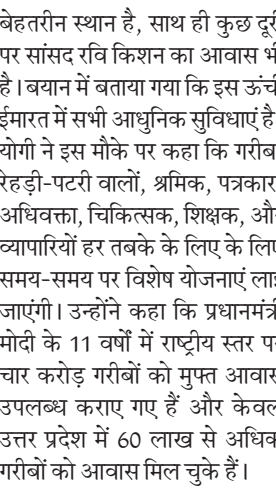
गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस/एलआईजी प्लैट्स की चाबियां सौंपी। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई।

बयान में बताया गया कि इन परिवारों को देवरिया बाईपास रोड स्थित 'पाम पैराडाइज' आवासीय इमारत में यह प्लैट सौंपा गया है। बयान के मुताबिक, 80 प्लैट्स आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 80 निम्न आय

वर्ग (एलआईजी) के लिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने एक कार्यक्रम में गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जोडीए) की 118 करोड़ रुपये की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया।

योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज (शुक्रवार को) 160 परिवारों को यह दीपावली का शुभ उपहार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि एक परिवार में औसतन पांच से छह सदस्य होने पर करीब 700-800

लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास नहीं बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस इमारत के पास रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर और खोराबार का



लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास नहीं बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस इमारत के पास रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर और खोराबार का

लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास नहीं बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस इमारत के पास रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर और खोराबार का

लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास नहीं बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस इमारत के पास रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर और खोराबार का

लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास नहीं बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस इमारत के पास रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर और खोराबार का

लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास नहीं बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस इमारत के पास रामगढ़ ताल, चिड़ियाघर और खोराबार का

दिवाली से पहले लगने वाले स्वदेशी मेले हस्तशिल्पियों को देंगे 1500 करोड़ का बाजार, 18 अक्टूबर तक आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। नौ से 18 अक्टूबर तक प्रदेश के हर जिले में लगने वाले स्वदेशी मेले दिवाली से पहले हस्तशिल्पियों को कम से कम 1500 करोड़ का बाजार देंगे। प्रत्येक जिले में लगने वाले इन मेले में छोटे हस्तशिल्पियों, महिलाओं और लघु उद्यमियों को बड़ा मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर से स्वदेशी मेलों का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। सभी मंडियों को स्वदेशी मेले की जिम्मेदारी

लोकल' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। दस दिवसीय स्वदेशी मेलों का आयोजन शहर के व्यवसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण और उपयुक्त स्थलों पर किया जा रहा है, ताकि आम जनता सुगमता से पहुंच सके और सक्रिय रूप से सहभागिता कर सके।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के अंतर्गत जनपद स्तर पर स्वदेशी मेलों के आयोजन के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। आयोजन के दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री समेत अन्य जनपद प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया गया है।



सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण

स्वदेशी मेला सिर्फ व्यापार का मंच नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और कला का उत्सव भी है। इसमें हथकरघा, खादी, ग्रामोद्योग और माटी कला जैसे पारंपरिक क्षेत्रों को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही, स्थानीय सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक प्रदर्शनियों के माध्यम से सांस्कृतिक रंगत का प्रदर्शन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर मेलों को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उत्सव के रूप में भी आयोजित किया जाएगा। संस्कृति विभाग, युवक मंगल दल, नेहरू युवा केंद्र और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मेले का आकर्षण बढ़ाएंगी।

मेले 'स्वदेशी उत्पाद अपनाएं, उत्तर प्रदेश को सशक्त बनाएं' के नारे को ही जीवंत बना रहे हैं।

स्थानीय से वैश्विक पहुंच तक मिल रहा विस्तार

स्वदेशी मेले का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करना

है। इन मेलों में न केवल हस्तशिल्पियों और कारीगरों को बाजार मिलेगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी देशी उत्पादों की गुणवत्ता और विविधता का सीधा अनुभव होगा। इसके जरिए स्वदेशी उत्पादों का प्रचार-प्रसार होगा, जबकि हस्तशिल्पियों को स्थानीय स्तर पर बाजार उपलब्ध हो रहा है। यही नहीं, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से

सीधे जुड़ने का भी अवसर प्राप्त हो रहा है। वहीं, पारंपरिक कला और शिल्प को जीवित रखने के मिशन को भी बल मिल रहा है। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर आर्थिक विकास और रोजगार सृजन भी हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी की इस पहल से जनपद स्तर पर करोड़ों रुपए का व्यापार होने की संभावना है। यूपीआईटीएस में हाल

ही में इसकी झलक देखने को मिली है। इससे सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को नया प्रोत्साहन मिलेगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे तो वहीं स्थानीय कारीगरों की आय में वृद्धि होगी और महिला उद्यमियों को भी नई पहचान मिलेगी। इसके साथ ही, युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को बल मिलेगा।

मेले में उपभोक्ताओं को भी विशेष लाभ मिलेगा। उन्हें जीएएसटी की दरों में विशेष छूट का लाभ होगा, जबकि दीपावली ऑफर और विशेष रियायतें भी मिल रही हैं। यही नहीं, सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि सीधे उत्पादक से खरीदारी का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिससे मूल्य में पारदर्शिता रहेगी। इस पहल से प्रदेश की स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। लघु उद्योगों को प्रत्यक्ष बाजार के साथ ही निर्यात की संभावनाओं में वृद्धि होने की संभावना है। इन मेलों में उद्योग विभाग, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, हथकरघा विभाग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, ओडीओपी, सीएम युवा और विनवकर्म श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा। सभी प्रतिभागियों को नि:शुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए हैं।



सेहत/स्वास्थ्य

इरे नही थायराइड कैसर लाइलाज नही, 5 बड़े मिथक तोड़कर जानें इलाज की सच्चाई



लोगों में थायराइड कैसर को लेकर कई तरह के भ्रम मिथक फैले हुए हैं। जिस कारण लोग सही से इलाज और जानकारी से वंचित रह जाते हैं। जैसे ही गले में गांठ महसूस होती है या फिर थायराइड की समस्या होती है, तो लोग डर जाते हैं और इंटरनेट पर या फिर सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने लगते हैं। ऐसे में समय रहते लोग डॉक्टर से सलाह नहीं लेते और कई बार गलत इलाज का शिकार हो जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, समय पर पहचान और सही इलाज से थायराइड कैसर का इलाज आसान हो जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको थायराइड कैसर से जुड़े 5 आम मिथकों और इसके

पोछे की सच्चाई के बारे में बताने जा रहे हैं।

थायराइड की दवा खाने से हो जाता है कैसर

थायराइड हार्मोन रिप्लेसमेंट दवा से कैसर नहीं होता है। बल्कि यह दवाएं शरीर में हार्मोन का संतुलन बनाए रखती है और थायराइड ग्रंथि की समस्या को भी कम करती है।

सिर्फ बुजुर्गों को होता है थायराइड

यह भी एक मिथ है कि थायराइड कैसर सिर्फ बुजुर्गों को होता है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है और खासकर 20-40 साल की उम्र वाली महिलाओं को

थायराइड कैसर का खतरा अधिक रहता है।

रेडिएशन एक्सपोजर से होता है थायराइड कैसर

हालांकि बचपन में रेडिएशन के संपर्क में आना खतरे को बढ़ा सकता है। लेकिन सिर्फ इसी वजह से थायराइड कैसर नहीं होता है। हार्मोनल बदलाव, आनुवांशिक कारण और कुछ पर्यावरणीय फैक्टर भी जिम्मेदार हो सकते हैं।

लाइलाज है थायराइड कैसर

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक थायराइड कैसर का इलाज संभव है। सही समय

समय पर पहचान और सही इलाज से थायराइड कैसर का इलाज आसान हो जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको थायराइड कैसर से जुड़े 5 आम मिथकों और इसके पीछे की सच्चाई के बारे में बताने जा रहे हैं।



पर इलाज, दवा और सर्जरी से इस बीमारी को कंट्रोल किया जा सकता है। यह सिर्फ एक मिथक है, इसलिए इस पर यकीन न करें।

थायराइड गांठ कैसर का संकेत

बता दें कि हर थायराइड गांठ कैसर नहीं होती है। अधिकतर गांठें सोम्य

होती हैं और सही जांच जैसे अल्ट्रासाउंड से ही कैसर जैसी गंभीर बीमारी की पुष्टि होती है। थायराइड कैसर के बारे में फैली गलत धारणाएं लोगों को डराती हैं और सही जानकारी न होने के कारण सही समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह और सही जानकारी से आप इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

ब्यूटी / फैशन

अचानक आए ब्रेकआउट्स से पार्टी मूड खराब, ये स्मार्ट टिप्स देंगे रातोंरात बेदाग निखार

जब भी कोई फंक्शन होता है, तो उस उसकी तैयारियों में लग जाते हैं। लेकिन रात का फंक्शन हो और अचानक से फेस पर ब्रेकआउट्स हो जाए। तो यकीनन यह किसी को अच्छा नहीं लगेगा। क्योंकि यह ऐसा समय होता है, जब हम ब्रेकआउट्स को खुद ब खुद ठीक होने का समय नहीं दे सकते हैं। ऐसे में लगता है कि फंक्शन पर हम खूबसूरत नहीं नजर आएंगे। अगर आपने भी कभी ऐसी स्थिति का सामना किया है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आप ब्रेकआउट्स को काफी हद तक शांत कर सकते हैं। हालांकि इन हैक्स को आजमाने से ब्रेकआउट्स पूरी तरह से खत्म नहीं होते हैं, लेकिन इनकी जलन, रेडनेस और सूजन को काफी हद तक शांत किया जा सकता है।

बर्फ की कर सकती हैं सिकाई

अगर आपको अचानक से बड़ा और सूजा हुआ ब्रेकआउट्स होता है, तो बर्फ से सिकाई कर सकती हैं। बता दें कि खून की नसों को बर्फ सिकोड़



देता है, जिससे रेडनेस और सूजन काफी हद तक कम हो जाता है। फिर आप इसको मैकअप की मदद से आसानी से छिपा सकती हैं। बर्फ की सिकाई करने के लिए सबसे पहले एक साफ बर्फ का टुकड़ा लेकर उसको मुलायम कपड़े में लपेटें। अब 5 मिनट तक हल्के-हल्के से पिंपल पर दबाएं।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

अगर आपको भी अगले दिन

किसी पार्टी या फंक्शन में जाना है, तो आप एलोवेरा जेल की मदद से भी ब्रेकआउट्स को शांत कर सकती हैं। एलोवेरा जेल त्वचा को ठंडक देने के साथ सूजन को भी कम करता है। ब्रेकआउट्स की वजह से होने वाली रेडनेस भी एलोवेरा जेल से कम होती है। इसके लिए एलोवेरा जेल की एक थिन लेयर ब्रेकआउट्स या पूरे फेस पर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। फिर अगली सुबह त्वचा को साफ करें।

आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आप ब्रेकआउट्स को काफी हद तक शांत कर सकते हैं। हालांकि इन हैक्स को आजमाने से ब्रेकआउट्स पूरी तरह से खत्म नहीं होते हैं, लेकिन इनकी जलन, रेडनेस और सूजन को काफी हद तक शांत किया जा सकता है।



ग्रीन टी बैग से करें सिकाई

ब्रेकआउट्स को शांत करने में ग्रीन टी बैग भी मददगार हो सकता है। क्योंकि ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है और इससे त्वचा को

ठंडक मिलती है। इसके लिए आप इस्तेमाल किए हुए ग्रीन टी बैग को 10 मिनट के लिए फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। फिर इस टी बैग को 10-15 मिनट सीधे पिंपल पर रखें। आप पाएंगी कि पिंपल थोड़ा सूखा और कम लाल है।

पर्यटन

अक्टूबर में बनाएं केरल का प्लान, पार्टनर संग इन शांत और खूबसूरत जगहों पर करें रोमांस



केरल के हिल स्टेशन से लेकर समुद्री इलाके सबसे ज्यादा कपल्स को आकर्षित करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अक्टूबर के महीने में कई कपल्स केरल में रोमांटिक छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं।

जब भी दक्षिण भारतीय राज्य में घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले लोग केरल का नाम लेते हैं। अरब सागर तट पर स्थित केरल एक खूबसूरत राज्य है। जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। केरल के हिल स्टेशन से लेकर समुद्री इलाके सबसे ज्यादा कपल्स को आकर्षित करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अक्टूबर के महीने में कई कपल्स केरल में रोमांटिक छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको केरल की कुछ टॉप क्लास जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अल्लेप्पी

जब भी केरल की सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई लोग सबसे पहले अल्लेप्पी का नाम लेते हैं। अल्लेप्पी अपनी मेहमान नवाजी और खूबसूरती के कारण केरल के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन में भी शामिल है। अल्लेप्पी सबसे ज्यादा सुंदर बैकवाटर, लैगून और खूबसूरत बीचेज के लिए जाना जाता है। समुद्र तट के किनारे कई ऐसे विला और रिसॉर्ट हैं, जोकि कपल्स का शानदार मेहमान नवाजी करते हैं। बीच के किनारे आप खुशनुमा सुबह से लेकर हसीन शाम का मजा ले सकते हैं। साथ ही आप पार्टनर के साथ हाउसबोट्स का आनंद ले सकते हैं।

वायनाड

केरल का मुन्नार एक्सप्लोर करने के लिए तो लगभग हर

कोई जाता है। लेकिन अगर आप मुन्नार की भीड़-भाड़ से दूर किसी खूबसूरत और शानदार हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, तो वायनाड एक परफेक्ट जगह है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा चाय-काफी के बागान, शानदार वॉटरफॉल और हरियाली के लिए फेमस है। यहां पर आपको कई ऐसे विला और रिसॉर्ट मिल जाएंगे, जहां पर आप हसीन पल बिता सकते हैं। वायनाड में आप कुरुवा द्वीप, चेम्बरा पीक और बाणासुर सागर बांध जैसी रोमांटिक जगहों पर घूम सकते हैं।

कोवलम

केरल के सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक कोवलम अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां पर साल के हर महीने देसी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। कोवलम सबसे ज्यादा प्राकृतिक सुंदरता और अधिक समुद्री तटों के लिए जाना जाता है। यहां कई कपल्स हवा बीच, कोवलम बीच और लाइट हाउस बीच के किनारे हनीमून मनाने के लिए पहुंचते हैं।

त्रिशूर

केरल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में फेमस त्रिशूर घूमने के लिए हाजाज से बेस्ट डेस्टिनेशन है। यह केरल का धार्मिक और ऐतिहासिक शहर भी माना जाता है। इस शहर में आपको खूबसूरती से लेकर स्थानीय संस्कृति का बेजोड़ नमूना देखने को मिलेगा। आप यहां पर अश्वारोहण और वड़ाकुमनाथन मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।



घरेलू नुस्खे

जली हुई कढ़ाई मिनटों में चमकाएं प्याज से ! जानें किचन का ये जादुई सीक्रेट



जली हुई कढ़ाई को साफ करने के लिए अब घंटों मेहनत करने या स्टील के जुने से रगड़ने की जरूरत नहीं। प्याज, सिरके और नींबू के रस से बना पेस्ट या उबले हुए प्याज के प्रयोग से आप अपनी किचन की जिद्दी जली हुई कढ़ाई को आसानी से चमका सकते हैं। ये आसान घरेलू उपाय कम मेहनत में दाग हटाकर बर्तन की लाइफ बढ़ाते हैं।



हर घर में कढ़ाई का यूज किया जाता है। लोह की कढ़ाई हो या फिर एल्युमिनियम की, अगर एक बार जल जाएं तो इसे साफ करने में काफी समय लग जाता है। कुछ लोग इस परेशानी से बचने के लिए कढ़ाई को घंटों तक पानी में भिगोकर छोड़ दें। हालांकि, दाग कढ़ाई में रह जाते हैं। अगर आप इस पर स्टील का जूना से क्लीन करते हैं, तो यह सही नहीं, क्योंकि इससे आपको कढ़ाई जल्दी घिसने लगती है और इसकी लाइफ भी

कम होने लगती है। अब आप इस तरीके से कढ़ाई को साफ कर सकते हैं। जली हुई कढ़ाई को आसानी से प्याज से चमकाया जा सकता है। दरअसल, प्याज में मौजूद गोता है नेचुरल एसिड और सल्फर जो आपके किचन की जली हुई कढ़ाई को मिनटों में साफ कर देगा। आइए आपको बताते हैं जली हुई कढ़ाई को प्याज से कैसे साफ करें।

जली हुई कढ़ाई को प्याज से कैसे साफ करें

- जली हुई कढ़ाई को साफ करने के लिए प्याज के साथ ही सिरके का प्रयोग भी करें।
- सबसे पहले आप प्याज को मिक्सी में पीस लें, पेस्ट तैयार होने के बाद इसमें आधा कप सिरका मिला लीजिए।
- दोनों को अच्छे से मिक्स करने के बाद इसमें आधा चम्मच नींबू का रस डाल दें।
- इस पेस्ट से जली हुई कढ़ाई पर लगाएं और 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें।

- फिर आप स्क्रबर की मदद से बर्तन को रगड़ें।
- आपको जली हुई कढ़ाई का दाग आसानी से साफ हो जाएगा।
- इसकी मदद से आपको कढ़ाई को रगड़ने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

जली हुई कढ़ाई को साफ करने का दूसरा तरीका

- इस तरीके से भी आप जली हुई कढ़ाई को साफ कर सकते हैं।
- सबसे पहले आप प्याज के छिलके छील लें। अब कढ़ाई में पानी डालें और धीमी आंच पर गैस पर इसे रख दें।
- अब प्याज को पानी के अंदर डालकर इसे उबलने दें।
- प्याज में कई गुण होते हैं, जो जलने के निशान को हल्का कर देते हैं।
- अब पानी को गिरा दें और उबले हुए प्याज को ठंडा होने

- के लिए रख दें।
- प्याज को स्क्रब में फंसा कर जले वाले निशान पर रगड़ें।
- ऐसा करने से दाग साफ होने लगते हैं और निशान भी हटने लगते हैं।

प्याज के छिलकों से साफ करें कढ़ाई

- इसके लिए आपको कढ़ाई में 1 गिलास पानी डालकर छिलकों पर डालना है।
- यह उबल जाए, तो आप इस पानी को फेंक दें और छिलकों का कढ़ाई में ही रहने दें।
- इसके बाद आप स्क्रबर की मदद से कढ़ाई को रगड़ें। इस बात का ध्यान रखें कि कढ़ाई ठंडी होने के बाद ही इसे साफ करें।
- प्याज के छिलकों में मौजूद प्राकृतिक एसिड और एंटी-बैक्टीरियल गुण बर्तनों के जलने के निशान को साफ करने में मदद करते हैं।

मोदीनगर में एहसास महिला समिति ने किया तृतीय दीवाली मेले का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एहसास महिला समिति, मोदीनगर द्वारा इस वर्ष दीवाली मेला-03 बड़े उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। यह मेला दुल्हन बैंकनेट हॉल एवं स्पाइस गार्डन में संपन्न हुआ, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए और दीपोत्सव की खुशियों का आनंद लिया।

मेले में करवा चौथ के पारंपरिक व्रत और त्योहारी रीतियों को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया, जिससे महिलाओं और परिवारों को त्योहार की सांस्कृतिक झलक देखने का अवसर मिला।

मेले का शुभारंभ निष्काम परिवार के मुख्य संरक्षक एवं समाजसेवी श्री चानन लाल ढींगरा द्वारा किया गया। समिति ने मेले में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा, ताकि सभी वर्गों के



नागरिक उत्साहपूर्वक भाग ले सके।

मेले का मुख्य आकर्षण आत्मनिर्भर महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल्स रहे। मोदीनगर, मेरठ, गाजियाबाद, दिल्ली और हरिद्वार की महिला उद्यमियों ने हस्तशिल्प, परिधान, आभूषण, सजावटी और घरेलू उत्पादों की प्रदर्शनी की। आगंतुकों ने इन उत्पादों को देखकर न

केवल महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाया, बल्कि स्वदेशी उद्योगों और वोकल फॉर लोकल के महत्व को भी समझा। मेले में करवा चौथ के अवसर पर महिलाओं के पारंपरिक व्रत, पूजा विधि और सजावट को भी प्रदर्शित किया गया। महिलाओं ने व्रत की तैयारी, सजावट और सामूहिक प्रार्थना की झलक प्रस्तुत की, जिससे अन्य

आगंतुकों को इस पवित्र परंपरा का अनुभव हुआ। इस पहल ने मेले में सांस्कृतिक रंग और पारिवारिक समरसता को और बढ़ाया। मेले में शामिल सभी गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों और आगंतुकों ने एक स्वर में कहा कि इस प्रकार के मेले को आने वाले समय में और बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यह आयोजन केवल एक दिन तक सीमित न रहकर कई दिनों तक चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसके आनंद और संदेश का लाभ ले सकें।

कार्यक्रम में लोकसभा सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, विधायक मोदीनगर डॉ. मंजू शिवचा, मोदीनगर पालिका चेयरमैन श्री विनोद वैशाली, पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश राम किशोर अग्रवाल और पूर्व विधायक मोदीनगर सुदेश शर्मा उपस्थित रहे।

उपजिलाधिकारी अजीत सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त अमित सक्सेना और प्रभारी निरीक्षक नरेश शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने समिति के कार्यों की सराहना की और इसे महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहयोग की प्रेरणादायक मिसाल बताया।

मेले में समस्त राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, चिकित्सा, शिक्षा, व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि, नगर पालिका परिषद के सभासद तथा शहर के गणमान्य पत्रकार भी उपस्थित रहे, जिससे यह आयोजन सर्वजन सहभागिता और सामाजिक एकता का प्रतीक बन गया। विशेष रूप से, मोदी समूह के उच्च प्रबंधक एन. पी. बंसल और निष्काम संस्था से जसमीत सिंह, दिलीप शर्मा और धीरज कालरा की उपस्थिति रही।

भाजपा कार्यालय पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प प्रेस वार्ता का आयोजन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। भाजपा जिला कार्यालय पर आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित हुई। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान, सदर विधायक प्रदीप चौधरी, स्थानीय विधायक देवेन्द्र लोधी, डिबाई विधायक सी.पी. सिंह और सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मी राज सिंह मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने बताया कि 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत वक्ता कार्यशालाएं, महिला व युवा सम्मेलन, व्यापारी सम्मेलन, संकल्प सभाएं और स्वदेशी मेले आयोजित किए जाएंगे।

विधायक देवेन्द्र लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सी.पी. सिंह ने नागरिकों से वोकल फॉर लोकल की भावना अपनाने का आग्रह किया।

विधायक प्रदीप चौधरी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल आर्थिक नहीं, बल्कि आत्मगौरव का अभियान है। वहीं लक्ष्मी राज सिंह ने इसे स्थानीय उद्योगों और छोटे व्यापारियों के लिए वरदान बताया। अभियान संयोजक संजय गुर्जर ने बताया कि जिले में स्वदेशी मेला, व्यापारी सम्मेलन और घर-घर संपर्क अभियान पर विशेष फोकस रहेगा। इस अवसर पर संजय गुर्जर, संतोष बाल्मीकि, गौरव मित्तल, संजय महेश्वरी व अभिनव वर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. केएन मोदी स्कूल की में स्वास्थ्य परीक्षण दिवस मनाया



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। प्रीटी पैंगिंस स्कूल में बड़े हर्ष और उत्साह के साथ दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान स्कूल नर्स प्रार्थना के साथ फर्मेसी कॉलेज के छात्र प्रियांशु त्यागी,

अक्षय कुमार, वंशिका शर्मा, एवं राधिका द्वारा नूढ़े छात्रों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया। जिसके अंतर्गत बच्चों की ऊँचाई, वजन, दाँतों और नाखूनों की सावधानीपूर्वक जाँच की गई। टीम ने प्रत्येक बच्चे को उनकी सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखने की सलाह दी।

बच्चों को अच्छे खान-पान, रोजाना सफाई, हाथ धोने की आदत

और नियमित व्यायाम के महत्व के बारे में भी बताया गया। साथ ही, शिक्षकों ने बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए सही दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल हेडमिस्ट्रेस श्रीमती प्रेरणा वर्मा ने कहा कि, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है। बच्चों का स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, और इस प्रकार के स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम बच्चों के समग्र विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।

कार्यक्रम का समापन डॉक्टरों और शिक्षकों के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। सभी बच्चों ने खुशी के साथ यह वादा किया कि वे आगे से अपने स्वास्थ्य और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखेंगे।



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। छाया पब्लिक स्कूल गोविंदपुरी मोदीनगर में वन्य प्राणी

सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत अन्तर स्कूलीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक स्कूलों के 11 गुप में



43 बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी, प्रधानाचार्य डॉ.

अरुण त्यागी तथा संबंधित स्कूलों के अध्यापक गण एवं वन विभाग से डॉ. सलोनी उप प्रभागीय वनाधिकारी

गाजियाबाद, अमित सिंह क्षेत्रीय वन अधिकारी मोदीनगर एवं मोदीनगर रेंज के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोकदल ने चलाया सदस्यता अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। सिवालखास क्षेत्र में राष्ट्रीय लोकदल का सदस्यता अभियान जोरों पर है। सिवालखास सदस्यता प्रभारी रणवीर दहिया जी ने गांव डालमपुर व जिटोला व लोहरगढ़ में सदस्यता अभियान चलाया। गांव जटपुरा में राजपाल सिंह के निवास पर अध्यक्षता मास्टर कृष्णपाल सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षता की।

रणवीर दहिया ने अधिक से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाकर पार्टी को मजबूत करने की अपील की। गांव सुराजी में प्रधान मंगल सैन जी के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में डा देवेन्द्र गौतम ने अध्यक्षता की। रणवीर दहिया जी ने अपने विचार रखकर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर सदस्य बनाकर पार्टी को मजबूत करने की बात कही। गांव लोहरगढ़ में केशवराम त्यागी के निवास



पर आयोजित कार्यक्रम में मास्टर जनेश्वर दयाल त्यागी ने अध्यक्षता की। रणवीर दहिया ने सभी वर्ग के लोगों का सम्मान करने वाली और सभी वर्ग की हितैषी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल से जुड़कर पार्टी को मजबूत करने की अपील की। आज सदस्यता

अभियान में डा सुशील कुमार परदेश महासचिव सचिन चौधरी प्रदेश महासचिव युवा राष्ट्रीय लोकदल, नरेश चौधरी मललापुर क्षेत्रीय महामंत्री व जराजसिंह एडवोकेट व डा देवेन्द्र गौतम व ओंकार सिंह क्षेत्रीय सचिव जी, मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज-5 एवं साइबर अपराध से सुरक्षा सम्बंधी दी महत्वपूर्ण जानकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। पंचशील बालक इंटर कॉलेज नोएडा में 13 यू पी वाहिनी एन सी सी गाजियाबाद के तत्वाधान में चल रहे संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर -134 में पंचशील चौकी इंचार्ज प्रीती चौधरी ने एन सी सी कैडेट्स को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा, सशक्तिकरण स्वावलंबन एवं कल्याण हेतु चलायी जा रही योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी, इसके अलावा साइबर टीम ने साइबर अपराध से बचने के बारे में कैडेट्स को विस्तार से बताया।

पंचशील चौकी इनचार्ज प्रीति चौधरी के नेतृत्व में, एस आइ हरिओम गौतम, हेड कॉन्स्टेबल प्रदीप, इरम खान, सुमन आदि ने बताया कि भारत सरकार द्वारा देश में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक व्यापक पहल है।

कार्यक्रम का संचालन के दौरान मोदी कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैन ने बताया कि मिशन शक्ति फेज-5, बालिकाओं एवं नारी सुरक्षा और



सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है, जिसमें सुरक्षा से जुड़े अधिकारों और तकनीकों की जानकारी देकर छात्राओं को आत्मरक्षा के तरीके बताकर बालिकाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके उपरांत चौकी इंचार्ज प्रीति चौधरी ने सभी को बालिकाओं एवं महिलाओं का सम्मान करने हेतु शपथ दिलायी तथा दिलायी गई शपथ का अनुसरण करने एवं उनके साथ सभ्य, शालीन और सहयोगपूर्ण व्यवहार करने हेतु प्रेरित किया।

साइबर अपराध शाखा से पुलिस निरीक्षक विनोद भारद्वाज के नेतृत्व में आयी टीम में उप निरीक्षक शिवनंदन, नमन तोमर ने कैडेट को साइबर अपराध से संबंधित विभिन्न जानकारी देते हुए साइबर अपराध से बचने के लिये आवश्यक उपाय

बताए। उपनिरीक्षक तोमर ने बताया कि ऑनलाइन ट्रॉजिकेशन के दौरान, पब्लिक वाईफाई का उपयोग करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिये। अनजाने सन्देशों पर भरोसा न करने, डाक वेब से बचने, साफ्टवेयर अपडेट रखने तथा किसी भी प्रकार का साइबर फ्राँड होने पर तुरंत पुलिस सहायता के लिए साईबर अपराध शाखा में संपर्क करने के लिए कहा।

सीनियर जीसीआइ निशा सिंह एवं शालिनी चौधरी ने कैडेट को हाइजीन एवं सेनीटेशन के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सभी को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कैप्टन कमांडेंट कर्नल अमित भटनागर न मिशन शक्ति-5 एवं साइबर क्राइम टीम को धन्यवाद दिया तथा एन सी सी कैडेट्स से अच्छे नागरिक बन राफ्ट निर्माण में

योगदान देने हेतु प्रेरित किया। विदित हो कि कैप में 13 यू पी वाहिनी एन सी सी गाजियाबाद, 31 यू पी एन सी सी वाहिनी नोएडा एवं 35 यू पी वाहिनी मोदीनगर के 550 से अधिक एनसीसी कैडेट प्रतिभाग कर रहे हैं।

इस अवसर पर डिप्टी कैप्टन कमांडेंट मेजर मुन्नी पंकज, एडजुटेंट सुरभी त्यागी, सुबेदार मेजर राजेश सिंह, सुबेदार मेजर हवा सिंह, एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैन, सीनियर जीसीआई शालिनी, निशा, मोनिका सागर, लक्ष्मी, नायब सुबेदार यशपाल सिंह, नायब सुबेदार शीशपाल, बीएचएम ओमपाल सिंह सीएचएम नील कमल, हवलदार सदीप, चेतन, अरविंद दक्षित, देवेन्द्र कुमार बिष्ट, प्रभाकर, कैशव, सुशील, परविंदर आदि का विशेष सहयोग रहा।

॥ विशुद्ध हवन सामग्री ॥

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, बालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाउबेर, मालकांगनी, किंशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पठानी, बेल गिरी, गुग्गुलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता

॥ श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ ॥

रैपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेरठ रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।